दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

itdcnews.com

भारत सरकार डाक पंजीयन संख्या
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

मध्य प्रदेश संस्करण

भारत सरकार आरएनआई संख्या
MPHIN/2018/77221

अंक 256, वर्ष 05, पृष्ठ 08, मूल्य रू. 2.00

भोपाल, रविवार, 24 जुलाई 2022

अमेरिका में पहली बार बच्चों में मिला मंकीपॉक्स

दो में से एक बच्चा नवजात; अब तक 80 देशों में 16,886 मरीज मिले

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। अमेरिका में पहली बार बच्चों में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। यहां दो बच्चों में संक्रमण पाया गया है। हेल्थ एजेंसी सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक जहां एक बच्चा कैलीफोर्निया का है, वहीं दूसरा बच्चा नवजात है और अमेरिका का निवासी नहीं है। मंकीपॉक्स अब तक 80 देशों में फैल चुका है।

स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दोनों ही बच्चों में बीमारी के लक्षण देखे गए हैं और उनकी हालत स्थिर है। इलाज के लिए उन्हें एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट दी गई है। एजेंसी के अनुसार यह दवा 8 साल से छोटे बच्चों को दी जानी चाहिए क्योंकि उन्हें गंभीर संक्रमण का खतरा होता है। इस साल हुए आउटब्रेक में मंकीपॉक्स का पहला केस ब्रिटेन में 6 मई को पाया गया था।

इसके ज्यादातर मरीज वे युवा पुरुष हैं, जो पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाते हैं। हालांकि, यह बीमारी किसी को भी अपनी चपेट में ले सकती है। मरीज से स्किन टु स्किन कॉन्टैक्ट करने से या फिर उसे खाना खिलाने से भी संक्रमण फैलता है। इसके अलावा संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बर्तन और बिस्तर छूने से भी मंकीपॉक्स फैल सकता है।

एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने अब तक 3 लाख से ज्यादा मंकीपॉक्स वैक्सीन्स को लोगों तक पहुंचाया है। इसका मतलब जल्द ही हजारों नागरिकों को कुछ हफ्तों के अंदर वैक्सीन लगा दी जाएगी। एजेंसी के अनुसार अमेरिका में 15 लाख लोग वैक्सीन के लिए एलिजिबल हैं। सभी को मंकीपॉक्स की वैक्सीन की दो खुराक दी जाएंगी। डेटा के मुताबिक, भारत समेत 79 देशों में 16,886 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से यूरोप में सबसे ज्यादा 11,985 लोग मंकीपॉक्स की चपेट में आए हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा नई दिल्ली में झारखंड पर्यटन नीति 2021 का शुभारंभ

- नेशनल ज्योग्राफिक इंडिया वृत्तचित्र श्रृंखला– पोस्टकार्ड फ्रॉम झारखण्ड के माध्यम से राज्य की जीवंत संस्कृति और सुंदर परिदृश्य को किया पेश
- झारखण्ड के पोस्टकार्ड का प्रीमियर नेशनल ज्योग्राफिक चैनल इंडिया पर हुआ

प्रमुख संवाददाता

रांची। झारखण्ड की समृद्ध विरासत को राज्य सरकार पर्यटन के क्षेत्र में विश्वपटल पर लाने के प्रति संजीदा है। राज्य की प्राकृतिक संपदा, परंपरा और संस्कृति की अविस्मरणीय झांकी को प्रस्तुत करने के लिए नेशनल ज्योग्राफिक इंडिया ÷पोस्टकार्ड ऑफ झारखण्ड÷ नामक फिल्म के माध्यम से देश दुनिया के लोगों को झारखण्ड की मंत्रमुग्ध कर देने वाली यात्रा पर ले गया। इसकी सूत्रधार बनी जमशेदपुर से संबंध रखने वाली फिल्म अभिनेत्री रसिका दुग्गल। मुख्यमंत्री द्वारा नई दिल्ली में शनिवार को झारखण्ड पर्यटन नीति 2021 के शुभारंभ के साथ पोस्टकार्ड ऑफ झारखण्ड का प्रीमियर नेशनल ज्योग्राफिक चैनल इंडिया पर हुआ और झारखण्ड पर्यटन नीति 2021 के लॉन्च इवेंट में आधिकारिक तौर पर कुछ माह पूर्व राज्य सरकार और नेशनल ज्योग्राफिक इंडिया के बीच संपन्न एमओयू (रूप्) के तहत जारी किया गया।

क्या है पोस्टकार्ड ऑफ झारखण्ड

इस श्रृंखला के माध्यम से नेशनल ज्योग्राफिक इंडिया मैकलुस्कीगंज, नकटा पहाड़, नेतरहाट, दलमा पहाड़ियों की आकर्षक श्रृंखला, लोध फॉल, हुंडरू फॉल, बेतला नेशनल पार्क से लेकर देवरी मंदिर, सूर्य मंदिर और बैद्यनाथ धाम जैसे मंदिरों की अद्भुत झांकी दिखाएगा।

लुभावनी सिनेमैटोग्राफी में मनोरम, हरे-भरे जंगल, शानदार वन्य जीवन, हिल स्टेशन और दिल को छू लेने वाले रोमांच के साथ राज्य भर में मौजूद विभिन्न स्थलों की खोज करते हुए अपनी आध्यात्मिक और मनमोहक यात्रा साझा की जायेगी। फिल्म अभिनेत्री रसिका दर्शकों को झारखण्ड के आदिवासी नृत्य, सोहराई पेंटिंग, स्थानीय व्यंजनों और राज्य के स्थापत्य कला के साथ समृद्ध आदिवासी परंपराओं से परिचित कराएंगी। प्रागैतिहासिक पाषाण कला से लेकर शानदार मंदिरों और प्राचीन स्मारकों पर फिल्म के जरिए प्रकाश डाला जायेगा। मालूम हो कि इस वृत्तचित्र श्रृंखला की सूत्रधार रसिका दुग्गल का जन्म जमशेदपुर में हुआ और वो वहीं पली बढ़ी हैं। रसिका कहती हैं, झारखण्ड एक ऐसी जगह है, जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। नेशनल ज्योग्राफिक और झारखण्ड टूरिज्म ने मुझे अपने गृह राज्य के साथ फिर से जुड़ने का मौका दिया है।

इस प्रीमियर को देखने के लिए विजिट करें

फेसबुकः National Geographic India
इंस्टाग्रामः @NatGeoIndia
ट्विटरः @NatGeoIndia
युटुबः Postcards from Jharkhand | Premieres wxrd July | National Geographic | Partner Content
Postcards from Jharkhand | Premieres wxrd July | National Geographic | Partner Content

सी एम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखण्ड के पास समृद्ध परम्परा, संस्कृति और प्रकृति के अनुपम सौन्दर्य की अमूल्य संपदा है। यहां प्राचीन मानव सभ्यता के प्रमाण भी मौजूद हैं। मुझे खुशी है कि राज्य सरकार के सहयोग से नेशनल ज्योग्राफिक इंडिया ने झारखण्ड की कहानी को अपने लेंस के माध्यम से लिखा है। जमशेदपुर से ताल्लुक रखने वाली अभिनेत्री रसिका दुग्गल झारखण्ड को अनूठे ढंग से पेश कर रही हैं। राज्य सरकार सभी प्रकृति प्रेमियों और अथितियों का झारखण्ड में स्वागत करती है।

जहां मिले सम्मान, आप लोग वहां चले जाइए

अखिलेश की चाचा शिवपाल और राजभर को दो टूक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव के बाद से सपा गठबंधन में पड़ी दरार बढ़ती जा रही है। राष्ट्रपति चुनाव में भी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव और सोहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के चीफ ओमप्रकाश राजभर की क्रास वोटिंग से सपा नाराज है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब

शिवपाल और राजभर को आजाद कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को शिवपाल और ओपी राजभर को अलग–अलग पत्र जारी कर कहा कि अगर आपको लगता है कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहीं जाइए, आप जहां चाहे जाने के लिए स्वतंत्र हैं। राजभर को पत्र जारी कर सपा ने लिखा कि ओमप्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी लगातार भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ रही है। आपका भारतीय जनता पार्टी के साथ गठजोड़ है और लगातार भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। अगर आपको लगता है, कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहां जाने के लिए आप स्वतंत्र हैं।

ममता बनर्जी के मंत्री पार्थ की गिरफ्तारी पर सियासी टकराव

शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी की कार्रवाई, स्पीकर बोले– मुझे बताए बिना अरेस्ट करना गलत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी कैबिनेट में कद्दावर मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। विधानसभा में स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा है कि किसी भी

विधायक की गिरफ्तारी की सूचना देना ईडी का कर्तव्य है। अभी तक मुझे पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी की कोई सूचना नहीं मिली है। मंत्री पार्थ को गिरफ्तार करने के बाद कोलकाता के एक अस्पताल में ईडी ने उनका टेस्ट कराया। ईडी अब उन्हें कोलकाता ऑफिस ले जाएगी, जहां आगे की पूछताछ की जाएगी। ईडी की टीम उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड की भी मांग कर चुकी है जिसे मंजूर कर लिया गया है। इधर, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी से भी पूछताछ जारी है। अर्पिता के घर से शुक्रवार को ईडी ने 21 करोड़ रुपए कैश बरामद किए थे। अर्पिता को अभी टीम ने हिरासत में ले रखा है। पश्चिम बंगाल में 2014 और 2016 में शिक्षकों की भर्ती हुई थी। नियुक्ति में धांधली का आरोप लगाते हुए दो कैंडीडेट्स ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

बीजेपी की मेयर हेमाली को भी आया सिंगापुर से बुलावा

बताएंगी गुजरात का सूरत मॉडल, केजरीवाल का मामला अटका

सूरत (एजेंसी)। सिंगापुर में आयोजित होने जा रहे वर्ल्ड सिटीज समिट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली मॉडल पेश कर पाएंगे या नहीं इस पर अभी तक सस्पेंस बना हुआ है।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे मेयर्स का सम्मेलन बताते हुए दिल्ली

सरकार की फाइल लौटा दी है। हालांकि, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अब सीधे विदेश मंत्रालय से यात्रा की इजाजत मांगी है। केजरीवाल 1 अगस्त को सिंगापुर के लिए उड़ान भर पाएंगे या नहीं यह तो विदेश मंत्रालय की इजाजत पर ही निर्भर करेगा।

फिलहाल हम आपको बता दें कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के अलावा इस समिट में गुजरात के सूरत की मेयर को भी बुलावा आया है। सूरत की मेयर हेमाली बोघावाला भी सिंगापुर में होने जा रहे इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। वर्ल्ड सिटीज समिट के आधिकारिक वेबसाइट पर मेहमानों की सूची में हेमाली बोघावाला का नाम भी शामिल है।

यूपी की नदियों का बढ़ने का लगा जलस्तर, जमीन काट रही घाघरा, चौका में भी बढ़ा पानी

लखीमपुरखीरी। यूपी में शुरू हुई बारिश प्रदेश के कुछ जिलों में आफत लेकर आई है। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए लोगों को अब अपने कुनबे को बचाने का डर सताने लगा है। लखीमपुर खीरी की नदी घाघरा ने जमीन काटनी शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने कटान की जद में आए जिन घरों को उजाड़ दिया था, अब घाघरा नदी उन्हीं जमीनों का कटान कर रही है। क्षेत्र में बहने वाली शारदा और सहायक चौका नदी का जलस्तर भी अभी जस की तस बना हुआ है।

मिर्जापुर गांव को घाघरा नदी पहले भी काट चुकी है। मिर्जापुर के मजरा भदईपुरवा का घाघरा नदी करीब करीब वजूद खत्म हो चुकी है। इस बार नदी के ठीक सामने मिर्जापुर गांव है। यहां कटान एक बार फिर शुरू हो चुका है। गांव के लोग पिछले सालों नदी की तबाही देख चुके हैं। उन्हें पता है कि जब नदी कटान पर होती है, तब बचाव के उपाय काम नहीं आते। कटान की जद में आए लोगों के सामने घर तोड़कर-उजाड़कर चले जाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं रहता।

मिर्जापुर–नारीबेहड़ तालाब में मिली घाघरा: नारी बेहड़ और मिर्जापुर गांवो को अलग करने वाला एक बड़ा तालाब है। आबादी की ओर बढ़ती चली आ रही घाघरा का पानी तालाब के पानी से आकर मिल गया है। लोगों का मानना है कि घाघरा की मुख्य धारा अगर तालाब से आकर मिल गई तो नारीबेहड़ गांव को किसी भी हालत में बचा पाना नामुमकिन हो जाएगा।

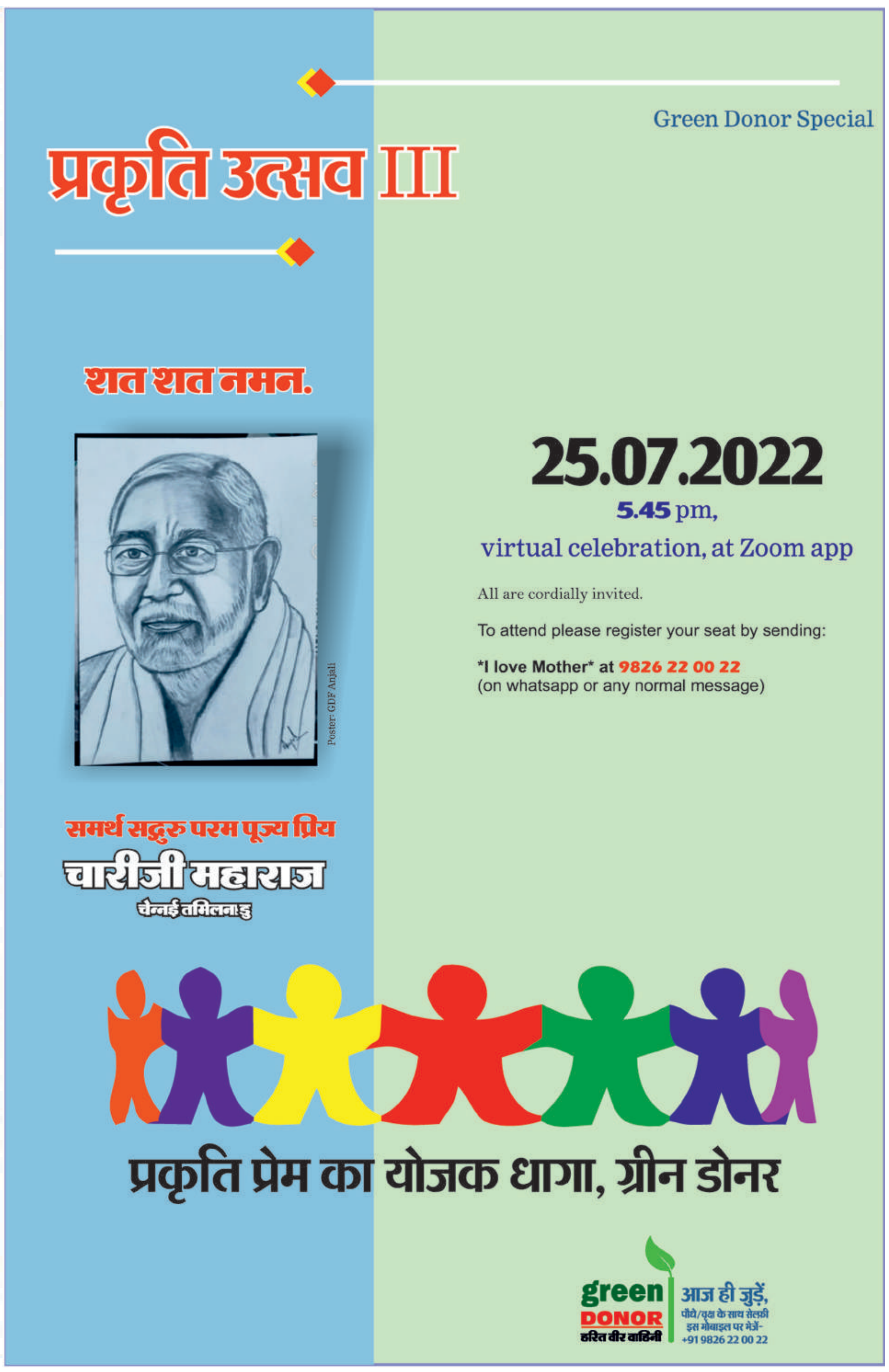

नहीं टिकेगी शिंदे सरकार, महाराष्ट्र में जल्द होंगे चुनाव, आदित्य ठाकरे का बड़ा हमला

मुंबई। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को दावा किया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार जल्द ही गिर जाएगी और महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव होंगे। अपनी शिव संवाद यात्रा के तीसरे दिन यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा के सामने बोलते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना के बागी विधायकों ने उनके पिता, तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को धोखा दिया, जब वह अस्वस्थ थे।

पैठन शिवसेना विधायक और पूर्व मंत्री संदीपन भुमरे का विधानसभा क्षेत्र है, जो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी शिवसेना गुट में शामिल हो गए हैं पर आदित्य ठाकरे ने कहा, ÷मेरे शब्दों को मार्क कर लें.. यह सरकार जल्द ही गिर जाएगी और महाराष्ट्र को मध्यावधि चुनाव का सामना करना पड़ेगा।

यह रोने का नहीं लड़ने का समय:

सिवसेना के बागी नेता संदीपन भुमरे के इस दावे को खारिज करते हुए कि पिछली शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस सरकार में शिवसेना के मंत्रियों को धन नहीं मिला, आदित्य ठाकरे ने कहा कि पैठण क्षेत्र को मराठवाड़ा जल-ग्रिड परियोजना के तहत पहली योजना मिली। उन्होंने कहा, ÷भूमरे को पांच बार विधानसभा का टिकट दिया गया था। जब मैंने सोचा कि हमने इन लोगों के लिए जो कुछ किया है, तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। लेकिन यह रोने का समय नहीं है, यह लड़ने का समय है।÷

बाढ़ से हाहाकार पर शिंदे सरकार साजिश में व्यस्त: शिवसेना नेता ने कहा कि राज्य को पिछले एक पखवाड़े में बारिश का सामना करना पड़ा और कई लोगों की जान चली गई, लेकिन इनका (शिंदे सरकार) का लोगों को बचाने के बजाय शिवसेना को तोड़ने में ज्यादा ध्यान है। आदित्य ठाकरे ने 40 बागी विधायकों को ÷देशद्रोही÷ कहा, जिन्होंने शिवसेना को विभाजित करने की साजिश रची थी जब उनके पिता अस्वस्थ थे और कोरोनोवायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे थे।

CMYK CMYK CMYK

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

होशंगाबाद मैन रोड की प्राइम लोकेशन पर 1500 sqft का, सर्वसुविधा युक्त, प्लाट (वाजिब दाम) में बेचना है, खरीदने हेतु संपर्क करें- (abhishek) 8827342224

3 बीएचके डुप्लेक्स बेचना है, रोजवुड सेंचुरी, कल्पानगर के पास BHEL का शांत वातावरण, 1000 वर्गफीट पर 1600 निर्मित, नया निर्माण, कवर्ड केम्पस, संपर्क 9479532443

बेचना: वाजिब दाम नवनिर्मित 2/3 BHK फ्लैट कवर्ड केम्पस SOS बालग्राम के पास पिपलानी, भरपूर पानी, सिक्युरिटी, सीसीटीवी, दो गार्डन संपर्क –सुबह 11 बजे से 9827056084

2400sqft (40X60) ईस्ट फेसिंग बहुत ही मोके का प्लाट संजीव नगर, नेवरी (लालघाटी) में उचित दाम पर बेचना है . संपर्क करे 6266177537

प्लाट बेचना है -1500 sqft प्लाट कोलार में कवर्ड केम्पस में मोके का प्लाट उचित दाम पर बेचना है. संपर्क करे -6266177537

1399000/- नवनिर्मित मल्टी में 2 बीएचके फ्लैट विक्रय हेतु लिफ्ट, 24 घंटे पानी, पार्किंग चोकीदार आदि सुविधाएं, कोलार की प्राइम लोकेशन राजहर्ष D मार्ट के पास के पास संपर्क 8889427734

तुरंत बेचना है सीहोर पलटन एरिया में लगभग 3200 sq feet कॉर्नर प्लाट पर लगभग 1200 sq feet में निर्मित पुराना माकन I संपर्क 9406934909.

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेप्रेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

2 Bhk Furnished Flat in Trilanga Colony Near Aura Mall Rent 10500/- Contact – 8962643902.

रानी कमलावती (हबीबगंज) रेलवे स्टेशन के सामने ऑफिस /दुकान (200 sqft)- तुरंत किराए पर देना है –जी-18, कामधेनु टावर, भाजपा कार्यालय के पीछे, भोपाल संपर्क- 94250-14000

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधायुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या संपर्क करे 9893303141

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj Residential Plot in danishhills, 9425008779

प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपयुक्त 9303132326, 7374498931

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान को टेलीकॉलर- 10 की संपर्क करें: प्लाट नं. 215, जोन-1, यस बैंक के पास, एम.पी.नगर, भोपाल 9425018094.

आवश्यकता है रेस्टोरेंट के लिए शेफ की, संपर्क करें:- द भोपाल कैंटीन, कस्तूरबा नगर भोपाल संपर्क 9165970007

Required UG/ Graduate Telecallers Freshers can apply, salary 10000-15000 (We Win Ltd.) Plot.no.-40, Mandakini housing society, Behind Reliance Fresh, Kolar road, -8964020001, 6265149398, 9977224829

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया उद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउद्योग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

DISPLAY CLASSIFIEDS

DS
(40words)
(monthly)

...NCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

98 26 22 00 22

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

full time Accountant For accounting Entries in GST, TDS, MS Excel & Tally ERP9 Only Commerce Graduates apply29 Zone-1, M.P. nagar,CA. Dewanagan 94250225993.

Asha Niketan Hospital require experienced Gynecologist Contact: 11 no. Stop, Arera Colony, 0755-2563546, 4003040

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP mail CV to: Info@premierindustries.net

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राइक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

आवश्यकता है

आवश्यकता है हाउस मेड (लड़की) शुद्ध शाकाहारी ब्राह्मण/ बनिया/ जैन/ केवट/ पटेल/ खरे, जो 24 घंटे मेरे साथ रहे घर और बच्चों के सारे काम करे, जिसे बच्चे संभालने का अनुभव, जो गुटखा तंबाकू आदि का सेवन न करती हो. राशन कार्ड, आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य. कार्यस्थल- छतरपुर
Mobile. 8871253723

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC VACANCIES

खबर की खबर

जब राज कपूर शूटिंग के लिए सुबह-सुबह उठे

एक लोकप्रिय और बड़े स्टार होने के बावजूद राज कपूर का व्यवहार सामान्यतः साधारण व्यक्ति जैसा ही रहता था। सेट पर कार्यरत सामान्य कर्मचारी से भी वे स्नेहपूर्वक बातचीत करते थे, लेकिन उनके मित्र और गीतकार शैलेन्द्र की फिल्म तीसरी कसम की शूटिंग के दौरान उसके कैमरामैन सुब्रतो मित्रा के साथ उनका मूड कभी-कभी खराब हो जाया करता था। इसके कुछ कारण थे। राज कपूर की आरके स्टूडियो के कैमरामैन राधू करमाकर के साथ अच्छी तालमेल थी। किसी और कैमरामैन के साथ उनकी पटरी बैठने में समय लगता था। सुब्रतो मित्रा सत्यजित रॉय के साथ काम किया करते थे। सत्यजित रॉय बहुत नियमबद्ध तरीके से काम करने के लिए प्रसिद्ध थे। सुब्रतो दा भी अनुशासित ढंग से काम करते थे। किसी शॉट के लिए लाइटिंग करने में भी उन्हें काफी समय लगता था। हालांकि यह अलग बात है कि हिंदी सिनेमा जगत में कैमरामैन को अधिक महत्व नहीं दिया जाता है, लेकिन वे तीसरी कसम की यूनिट के महत्वपूर्ण सदस्य थे।

राज कपूर बड़े स्टार तो थे ही लेकिन उन्हें देर से उठने की आदत भी थी। सुबह नौ बजे वाली शिफ्ट में वे दोपहर दो बजे तक ही पहुंचते थे। तीसरी क़सम भी उनके लिए

कोई अपवाद नहीं थीं। इन सब कारणों से तीसरी कसम के शुरुआती शूटिंग में सुब्रतो मित्रा और राज कपूर के बीच अक्सर खटपट हो जाया करती थी। नौटंकी के एक सीन की शूटिंग के समय तो ऐसी नौबत आ गई कि लगा अब राज कपूर सेट ही छोड़कर चल देंगे।

इस बीच एक दृश्य को सूर्योदय के समय फिल्माने की जरूरत महसूस हुई। राज कपूर सुबह जल्दी उठने के आदी नहीं थे, यह बात सुब्रतो दा जानते थे, परंतु मध्य प्रदेश में शूटिंग के दौरान यह दृश्य राज कपूर पर सुबह के समय फिल्माना आवश्यक था।

आखिर सुब्रतो दा को शैलेंद्र से यह बात कहनी पड़ी क्योंकि उन्हें लगा शायद शैलेंद्र के कहने पर राजजी सुबह जल्दी शॉट देने के लिए राजी हो जाएं, लेकिन शैलेंद्र जी का जवाब कि आप तो जानते ही हैं, राजजी दोपहर दो बजे से पहले कभी शूटिंग के लिए नहीं आते, फिर यह शॉट कैसे किया जा सकता है? सुब्रतो दा चुप रह गए, लेकिन दोनों के बीच हुई यह बातचीत किसी ने जाकर राजजी को बता दी। एक दिन शाम को पैकअप के बाद सुब्रतो मित्रा अपने सहयोगियों को कुछ निर्देश दे रहे थे कि राज कपूर उनके पास आए।

आप मुझ पर सूर्योदय के समय एक शॉट फिल्माना चाहते हैं।" उन्होंने सुब्रतो दा से पूछा। "जी हां... पर कोई बात नहीं, मैं शाम के समय इन्हें लेकर काम चला लूंगा, सुब्रतो दा ने जवाब दिया।

नहीं अगर आप चाहें तो मैं सुबह शॉट देने के लिए आ सकता हूं, राजकपूर ने कहा। सुब्रतो दा को तो विश्वास ही नहीं हुआ। खुशी से गदगद दादा अगले दिन तड़के चार बजे फिल्म के सहायक निर्देशक बीआर इशारा के साथ लोकेशन पर पहुंचे और उन्होंने शॉट की तैयारी शुरू कर दी लेकिन सबके मन में फिर भी एक आशंका थी कि क्या राज कपूर सचमुच इतनी सुबह सेट पर आएंगे? लेकिन यह क्या...चमत्कार... ठीक 4:30 बजे सुबह राज कपूर सेट पर हाजिर थे। गुड मॉर्निंग सुब्रतो, कैमरा सेट अप कर लिया?

जी, सब कुछ तैयार है।

चलो जी, बताओ मेरा क्या शॉट है? राजजी ने बीआर इशारा से पूछा। सूर्योदय होने ही वाला था।

इशारा ने सीन समझाया। सुब्रतो मित्रा कैमरे के पीछे तैयार थे।

स्टार्ट कैमरा... एक्शन.... इशारा के ये शब्द सुनते ही सुब्रतो दा ने कैमरा चालू किया, लेकिन यह क्या... पता चला कि कैमरे का लेंस जूम ही नहीं हो रहा। अचानक ऐसा कैसे हो गया, कोई कुछ समझ ही नहीं पाया और शूटिंग रोक देनी पड़ी। काफी देर बाद वह तकनीकी खराबी दूर तो हो गई, पर तब तक धूप निकल आई थी।

अब सूर्योदय का शॉट लेना संभव नहीं था। सुब्रतो मित्रा ने सोचा कि अब राज कपूर नाराज होकर कुछ कहेंगे, पर वे शांत खड़े थे। "कोई बात नहीं। यह शॉट हम कल लेंगे।" यह कह कर वे चले गए। दूसरे दिन सुबह फिर शॉट की तैयारी की गई। सुब्रतो मित्रा ने दस बार लेंस की जांच की कि कल जैसा हाल न हो। राज कपूर सुबह ठीक 4:30 बजे लोकेशन पर हाजिर हो गए। शूटिंग आरंभ हुई और मनमाफिक शॉट ले लिया गया।

बिना किसी नाराजगी के राज कपूर दो दिन लगातार सुबह-सुबह शूटिंग पर हाजिर हुए, यह बात यूनिट में क्या फिल्म नगरी बंबई में भी अनेक दिन चर्चा का विषय बनी रही।

चलते-चलते

तीसरी कसम के निर्देशक बासु भट्टाचार्य जी ने पहले फिल्म के हीरो हीरामन के लिए महमूद का चुनाव किया था, लेकिन एक दिन जब शैलेंद्र और राज कपूर की मुलाकात हुई तो राज कपूर ने कहा कि आपकी फिल्म का हीरामन मैं ही हूं तो शैलेंद्र चकित रह गए और तुरंत बोले लेकिन राज जी मैं आपकी कीमत नहीं चुका सकता।

शैलेंद्र की इस बात पर राज कपूर मुस्कुराए और बोले एक रुपये तो दे सकते हो? शैलेंद्र को लगा राज कपूर मजाक कर रहे हैं लेकिन फिर भी उन्होंने कहा जी एक रुपया तो दे सकता हूं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)

बादल महल जलशोधन संयंत्र का होगा जीर्णोद्धार

भोपाल(नप्र)। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने संत हिरदाराम नगर स्थित बोरवन जलशोधन संयंत्र, फतेहगढ़ स्थित बादल महल तथा अरेरा हिल्स विधानसभा के सामने स्थित जलशोधन संयंत्रों का निरीक्षण किया और बोरवन जलशोधन संयंत्र सम्प टैंक में मोटर आदि लगाने के कार्यों को 10 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने बादल महल फिल्टर प्लांट के जीर्णोद्धार हेतु समग्र प्रस्ताव बनाने और बादल महल से संबंधित जलप्रदाय वाले क्षेत्रों में जलप्रदाय की वैकल्पिक व्यवस्था करने तथा बादल महल की व्ही.आई.पी. रोड की ओर दीवार पर पेंटिंग कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने विधानसभा जलशोधन संयंत्र का भी निरीक्षण किया और संयंत्र से जलप्रदाय की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सुश्री ऋतु बाफना, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बोरवन पम्प हाउस के सभी कार्य 10 दिवस में पूर्ण किए जाएं

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने विभिन्न जलशोधन संयंत्रों का निरीक्षण कर बादल महल के फिल्टर प्लांट हेतु समग्र प्रस्ताव बनाने के दिए निर्देश

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने शुक्रवार को बोरवन जलशोधन संयंत्र का निरीक्षण किया एवं जलशोधन संयंत्र व सम्प टैंक की क्षमता एवं जलप्रदाय आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री चौधरी को अवगत कराया गया कि 2.5 लाख लीटर क्षमता का 22 फिट गहरा सम्प टैंक एवं 10 एम.एल.डी एवं 13 एम.एल.डी अर्थात 23 एम.एल.डी क्षमता के जलशोधन संयंत्रों को पूरे समय चलाने से आगामी 10 वर्ष तक पानी की कोई समस्या नहीं होगी। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि सम्प टैंक में 08 मोटरे लगाई जायेंगी और इसका कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने सम्प टैंक सहित अन्य सभी कार्यों को 10 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने संयंत्रों में फिल्टर के बाद अनुपयुक्त पानी को फिर से शुद्धिकरण कर उपयोग में लाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने फतेहगढ़ स्थित बादल महल जलशोधन संयंत्र का निरीक्षण किया और वर्ष 1965 में निर्मित बादल महल फिल्टर प्लांट का जीर्णोद्धार करने हेतु समग्र प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए साथ ही श्री चौधरी ने बादल महल से हमीदिया अस्पताल व अन्य क्षेत्रों में किए जाने वाले जलप्रदाय हेतु वैकल्पिक व्यवस्था की भी कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने बादल महल की व्ही.आई.पी रोड की ओर स्थित दीवार पर पेंटिंग कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने विधानसभा के सामने स्थित 05 एम.एल.डी क्षमता के जलशोधन संयंत्र का निरीक्षण किया और संयंत्र की कार्य प्रणाली एवं जलप्रदाय की स्थिति के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

नवीन मुख्यालय भवन के कॉटन वॉल, पिलर, फिलिंग आदि के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने निगम मुख्यालय भवन के कार्यों का अवलोकन कर दिए निर्देश

भोपाल(नप्र)। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने तुलसी नगर सेकण्ड स्टॉप के पास निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन के प्रचलित कार्यों का अवलोकन करते हुए कॉटन वॉल का निर्माण शीघ्रता से करने, पिलर और चारों ओर फिलिंग सहित अन्य कार्यों की गति में तेजी लाकर कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने निगम मुख्यालय भवन के चारों ओर वेंटीलेशन की भी पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता पी.के.जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने शुक्रवार को निर्माणाधीन नवीन निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने अवलोकन के दौरान प्रचलित एवं आगामी कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने कॉटन वॉल का निर्माण शीघ्रता से पूर्ण करने, भूतल के पिलर्स का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने, चारों ओर फिलिंग सहित अन्य सभी कार्यों की गति को बढ़ाकर कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने निगम मुख्यालय भवन के चारों ओर पर्याप्त वेंटीलेशन की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

अधिसूचना के 15 दिन में होगा नगरीय निकायों के अध्यक्ष का निर्वाचन

भोपाल (नप्र)। नगरपालिका परिषद और नगर परिषदों के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिये पार्षदों के निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने की तारीख से 15 दिन के भीतर कलेक्टर द्वारा निर्वाचित पार्षदों का सम्मिलन बुलाया जायेगा। इसकी अध्यक्षता कलेक्टर द्वारा नियुक्त किये गये ऐसे अधिकारी द्वारा की जायेगी, जो नगरपालिका परिषदों के मामले में डिप्टी कलेक्टर और नगरपरिषदों के मामले में तहसीलदार की पद श्रेणी से निम्न पद श्रेणी का नहीं होगा। इसी तरह नगरपालिक निगम के अध्यक्ष के निर्वाचन के लिये कलेक्टर द्वारा महापौर तथा पार्षदों के निर्वाचन की अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर निर्वाचित पार्षदों का सम्मिलन बुलाया जायेगा। इसकी अध्यक्षता कलेक्टर द्वारा की जायेगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा इस संबंध में जरूरी कार्यवाही करने के निर्देश सभी कलेक्टर्स को जारी कर दिये गये हैं।

हर घर तिरंगाकार्यक्रम में हर समुदाय की व्यापक भागीदारी हो: सखलेचा

भोपाल (नप्र)। आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के संबंध में शुक्रवार को सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने नीमच जिले में तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में 11 से 17 अगस्त तक आजादी के अमृत महोत्सव में ÷हर घर तिरंगा÷ कार्यक्रम करने और इससे जन-समुदाय की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। मंत्री श्री सखलेचा ने क्षेत्र की सभी नगर और ग्राम पंचायतों में परिवार की संख्या के मान से स्व-सहायता समूहों के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज तैयार करवा कर, वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत हर घर पर तिरंगा फहराया जाये। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज की झण्डा संहिता का पालन भी सुनिश्चित करवाया जाए। झण्डा संहिता का पालन करने हेतु आमजन को जागरूक कर सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। प्रत्येक गाँव में जन-जागरूकता के लिए रैली, साईकिल रैली, भाषण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिताएँ की जाये। उन्होंने तिरंगा कार्यक्रम के सम्बंध में दीवार लेखन भी करवाने के निर्देश दिए। श्री सखलेचा ने निर्देश कि सभी विभाग लक्ष्य अनुसार स्व-सहायता समूहों से तिरंगा क्रय कर वितरण सुनिश्चित करें।

मेंटीनेंस के बाद भी ट्रिपिंग हो तो अधिकारियों को दें नोटिस

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने विभागीय समीक्षा में दिये निर्देश

भोपाल (नप्र)। मेंटीनेंस के पाँच दिन बाद यदि फिर ट्रिपिंग होती है तो संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर इसका कारण पूछें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रदुम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों की समीक्षा के दौरान दिये। श्री तोमर ने भोपाल से वीडियो कार्फ्रेसिंग से विभागीय कार्यों की समीक्षा की। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायत पर बिजली सुधारने के लिए जाने वाली टीम की गाड़ी की अच्छी कंडीशन हो। साथ ही उसमें जरूरी उपकरण भी रहने चाहिये।

युद्ध स्तर पर हो मेंटीनेंस: श्री तोमर ने कहा कि बिजली लाइन और ट्रान्सफार्मरों का मेंटीनेंस युद्ध स्तर पर करें। इसमें पेड़ की टहनियों और झाड़ियों के कारण होने वाली ट्रिपिंग रोकी जा सकेगी। मेंटीनेंस कार्य का निरीक्षण डिविजनल इंजीनियर द्वारा नियमित रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि सामग्री की कोई कमी हो तो मुझे बतायें। मेंटीनेंस की एंट्री गूगल शीट में भी करें। श्री तोमर ने कहा कि खंबों में बिजली फाल्ट सुधारने के लिए ग्वालियर को एक हाइड्रा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। हेल्प डेस्क में आने वाली शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। उपभोक्ताओं के फोन तुरन्त उठायें। उन्होंने कहा कि गैर विद्युतीकृत कॉलोनियों में विद्युतीकरण के लिए प्राक्कलन बनायें। स्वीकृत कार्यों को जल्द शुरू करें। कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

शासकीय कार्य में बाधा डालने एवं बिजली कर्मी से मारपीट पर एफ.आई.आर. दर्ज

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मुरैना वृत्त के अम्बाह संभाग के ग्राम लेपा में शासकीय कार्य के दौरान बिजली कंपनी के अधिकारी/कर्मचारी से अभद्र व्यवहार एवं मारपीट करने के आरोप में एक आरोपी पर एफ.आई.दर्ज. कराई गई है। गौरतलब है कि कंपनी के मुरैना वृत्त के अम्बाह संभाग अंतर्गत खड़ियार वितरण केन्द्र में सहायक प्रबंधक श्री नीरज लुनिया, लाईन हेल्पर श्री वीरेन्द्र कुशवाह, श्री संतोष कुमार प्रजापति और श्री संदीप जाटव द्वारा शासकीय कार्य किया जा रहा था। इस दौरान ग्राम लेपा निवासी वीरेन्द्र तोमर पुत्र करू तोमर एवं टिल्लू तोमर द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालने के साथ ही बिजली कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारियों से दुर्व्यवहार, जातिसूचक गालियाँ एवं मारपीट की गई। कंपनी द्वारा घटना के तुरंत बाद सिहोनिया थाने में शासकीय कार्य में बाधा डालने, अधिकारी/कर्मचारी से मारपीट एवं दुर्व्यवहार करने पर एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। थाना सिहोनिया द्वारा आरोपियों के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता 1860 अधिनियम की धारा 353, 332, 323, 294, 506, 34 एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015) की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध) एवं 3(2)(Va) में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

स्कूल छोड़ने वाले बच्चों को ढूंढने निकलेंगे अफसर

राज्य शासन ने पढ़ाई निरंतर रखने के दिए निर्देश, जिला शिक्षा अधिकारियों को बनाया नोडल

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने शाला त्यागने वाले ऐसे बच्चे, जिनके अभिभावक में से कोई एक या दोनों की मृत्यु मार्च 2020 के बाद हुई है, की शिक्षा निरंतर रखने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के पालन में लोक शिक्षण संचालनालय ने इस कार्य के लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। सभी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के 25 जून 2021 को जारी आदेश का पालन किया जाना सुनिश्चित करेंगे। जो विद्यार्थी अभिभावक की मृत्यु के कारण किसी अन्य स्थान पर जाकर शिक्षा पूरी करना चाहते हैं उनके स्थानांतरण प्रमाण-पत्र जारी करना सुनिश्चित किए जाएंगे। विद्यार्थियों के हित में सभी नोडल अधिकारी शाला त्यागी विद्यार्थियों को उन्हीं स्कूलों में वापस प्रवेश दिलाने का प्रयास करेंगे जहाँ अभिभावक की मृत्यु के पहले वे पढ़ते थे।

ये बच्चे माने जाएंगे शाला त्यागी

शाला त्यागी वे बच्चे माने जायेंगे जो नियमित रूप से 30 दिनों से शाला से अनुपस्थित रहे, जिन्होंने शालाओं में कभी प्रवेश ही नहीं लिया, शाला में एक बार प्रवेश लेने के बाद 8 वर्ष की अनिवार्य शिक्षा ग्रहण नहीं की और 14 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे विद्यार्थी, जो शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत तो नहीं आते हैं परंतु अभिभावक की मृत्यु के कारण जिन्होंने पढ़ाई छोड़ दी है। सभी जिला शिक्षा अधिकारी ऐसे विद्यार्थियों की मैपिंग करते हुए और उनके शाला त्यागी होने के कारणों का विश्लेषण करते हुए उनकी शिक्षा पूरी कराएंगे।

बाल सेवा योजना में करेंगे शामिल

कोविड काल में अभिभावक की मृत्यु होने पर प्राइवेट स्कूल में पढ़ रहे विद्यार्थियों की पढ़ाई निरंतर रखने के लिए मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना में व्यवस्था की जा रही है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के पालन की नियमित समीक्षा करने के लिए एक पोर्टल बनाया जा रहा है। सभी नोडल अधिकारी इस पोर्टल पर शाला त्यागी बच्चों की पढ़ाई की निरंतरता के बारे में जानकारी अपडेट करेंगे।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की 660 मेगावाट क्षमता की यूनिट चार ने बनाया लगातार 100 दिन विद्युत उत्पादन का रिकार्ड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा के विद्युत गृह क्रमांक-2 की 660 मेगावाट क्षमता की यूनिट क्रमांक चार ने आज लगातार 100 दिन विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड कायम किया। यह यूनिट इस वर्ष 13 अप्रैल से निर्बाध विद्युत उत्पादन कर रही है। इस दौरान यूनिट का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) 76.3 फीसदी रहा। यह यूनिट 28 मार्च 2019 को क्रियाशील हुई थी। उल्लेखनीय है कि श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा में विद्युत गृह क्रमांक एक में 600-600 मेगावाट की दो और विद्युत गृह क्रमांक दो में 660-660 मेगावाट दो यूनिट विद्यमान है।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई: ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट क्रमांक चार के समस्त अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि विद्युत गृह की चारों यूनिट भविष्य में उत्कृष्ट व बेहतर प्रदर्शन करते हुए विद्युत उत्पादन क्षेत्र में नए प्रतिमान बनाएँगी।

चालू वित्तीय वर्ष में बने नए रिकार्ड: मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में लगातार निर्बाध विद्युत उत्पादन के कीर्तिमान बनाए जा रहे हैं। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की 600 मेगावाट क्षमता की यूनिट क्रमांक एक 233 दिन, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावाट क्षमता की यूनिट क्रमांक 10 ने 186 व 11 ने 202 दिन और संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 210 मेगावाट की यूनिट क्रमांक चार ने 130 दिन लगातार निर्बाध विद्युत उत्पादन के रिकार्ड बनाए हैं।

Classifieds
इंटीग्रेटेड ट्रेड
2022

न रुपए खर्च, न शब्द
थोड़े शब्द, ज्यादा बात

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- (above length sqcm card rate applicable)

दैनिक संस्करण
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़
| आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | आईटीडीसीन्यूज़.कॉम | 98 26 22 99 22 |

उफान पर चंबल, आस-पास के कई गांव घिरे

● नदी का वाटर लेवल 4 मीटर बढ़ा, ऐक्टिव हुआ प्रसाशन ● सतना में धारकुंडी आश्रम का झरना फूटा, हर तरफ पानी

भोपाल। प्रदेश के ग्वालियर-चंबल में तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। चंबल नदी का जलस्तर 4 मीटर बढ़ गया है। शिवपुरी, दतिया, भिंड और श्योपुर में बुधवार-गुरुवार की रात से बारिश का दौर जारी है। कोटा बैराज से छोड़े गए 12 हजार क्यूसेक पानी और बारिश के असर से मुरैना में राजघाट पर चंबल का जलस्तर 4 मीटर बढ़ गया है। यहां नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 11.5 मीटर नीचे है। श्योपुर में पार्वती और अमराल नदी उफान पर है। श्योपुर से कोटा हाईवे बंद हो गया है। मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल, बुंदेलखंड और बघेलखंड के साथ इंदौर-भोपाल में भी तेज बारिश होने की चेतावनी दी है। पूरे प्रदेश में मानसून एक्टिव रहेगा। अगले कुछ दिन तक बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने रीवा, नर्मदापुरम, चंबल और ग्वालियर संभागों के जिलों के अलावा अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सागर, छतरपुर, विदिशा, बुरहानपुर और खंडवा जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों में भी बारिश हो सकती है। धारकुंडी आश्रम सतना जिले की बिरसिंहपुर तहसील अंतर्गत यूपी की सीमा से सटे इलाके में जंगल और पहाड़ के बीच स्थित है। यहां झरने,कुंड और गुफा भी है। ये परमहंस आश्रम है जहां स्वामी सच्चिदानंद

महाराज और उनके शिष्य रहते हैं। आश्रम का निर्माण इस तरह से किया गया है जिससे पानी को रास्ता मिलता रहे। हर वर्ष हर बारिश में यहां जंगल और पहाड़ का पानी नीचे आश्रम में आता है। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित इस खूबसूरत स्थान पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरु दर्शन के लिए आते हैं। डिंडोरी-मंडला जिले में अच्छी बारिश से नर्मदा का जलस्तर बढ़ गया है। इससे जबलपुर से 20 किमी दूर भेड़ाघाट में नर्मदा नदी के धुआंधार जलप्रपात की खूबसूरती और बढ़ गई है। यहां 50 फीट ऊंचाई से नर्मदा की धारा विश्व स्तरीय संगमरमर की चट्?टानों पर गिर रही है। नर्मदा की धारा के इस बहाव से पानी के कण धुएं जैसे दिखाई देते हैं, इसलिए इसे दूध धारा भी कहा जाता है। यहां 15 जून से 15 अक्टूबर तक पर्यटकों का जाना प्रतिबंधित रहता है, लेकिन इस बार बारिश देर से होने से अभी यहां सैलानी पहुंच रहे हैं। सतना जिले के मझगवां में 4 घंटे में 5 इंच मूसलाधार बारिश से गुरुवार दोपहर धारकुंडी स्थित श्रीपरम हंस आश्रम धारकुंडी में सैलाब आ गया। इस आश्रम में अनेक साधु-संत रहते हैं। गनीमत थी कि सैलाब दोपहर 4 बजे के करीब आया। किसी भी प्रकार की जन-धन हानि नहीं हुई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 30 फीट ऊंचाई से नीचे गिर कर बहते पानी को जिसने देखा कांप उठा। भोपाल में रुक रुककर फुहारों और रिमझिम बारिश का दौर जारी है। भोपाल के साथ ही इंदौर में दो-तीन दिन से बारिश थमी सी है। हालांकि रिमझिम बारिश हो रही है, लेकिन अब यहां भी तेज बारिश होने के आसार है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया, बारिश की खाड़ी से नया सिस्टम बनने से 22 जुलाई से पूरे प्रदेश में फिर से तेज बारिश होगी। प्रदेश में नर्मदा, ताप्ती, बेतवा, शिप्रा समेत कई नदियां उफान पर है। कई जिलों में बारिश ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

रन-वे टर्नपैड चौड़ा हुआ, अब प्रधानमंत्री का विमान भी लैंड हो सकेगा, टीम ने किया निरीक्षण

भोपाल (नप्र)। एयरपोर्ट अथारिटी ने इसी साल मार्च में टर्नपैड चौड़ा करने की स्वीकृति दी थी। पिछले चार माह से काम चल रहा था। अब काम पूरा हो गया है। इस काम पर अथारिटी ने करीब सात करोड़ रूपये खर्च किए हैं। काम छह माह में पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन समय से पहले ही इसे पूरा कर लिया गया है। अब प्रधानमंत्री के विमान के अलावा भविष्य में भोपाल से संभावित इंटरनेशनल उड़ानों की राह भी आसान हो गई है। इंटरनेशनल रूट पर आमतौर पर बड़े बोइंग एवं जंबो विमान का संचालन होता है। बड़े विमानों को टेकआफ करते समय अधिक चौड़े रन-वे की जरूरत होती है। तकनीकी भाषा में इसे टर्नपैड कहा जाता है, यानी विमान मोड़ते समय रन-वे की चौड़ाई वाला हिस्सा ही टर्नपैड कहलाता है। एयरपोर्ट अथारिटी ने वर्तमान रन-वे के टेकआफ प्वाइंट के आसपास के हिस्से पर नया टर्नपैड विकसित किया है।

ग्लाइड पथ की दिशा बदलनी पड़ी

टर्नपैड चौड़ा करने के साथ ही इंस्ट्रूमेंट लेंडिंग सिस्टम (आइएलएस) को शिफ्ट कर दिया गया है। आइएलएस के साथ ही ग्लाइड पाथ की दिशा भी बदल दी गई है, इससे कम दृश्यता होने एवं खराब मौसम में भी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग में मदद मिलती है। टर्नपैड का काम देखने एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया की एक टीम विशेष विमान से भोपाल पहुंची थी। टीम ने विशेष विमान को टर्नपैड से टेकआफ किया, ताकि यह पता चल सके कि कहीं कोई कमी तो नहीं है। टीम ने आइएलएस की दिशा की जांच भी की। टर्नपैड का काम शुरू होते समय एयरपोर्ट अथारिटी ने डीजीसीए से अनुमति लेकर नो-टम लागू किया था। नो-टम यानि एक तय समय में कोई भी विमान लैंड नहीं हो सका। भोपाल में इसके लिए रात्रि 10.30 बजे से सुबह छह बजे तक की अवधि लागू की गई थी। अब नो-टम वापस ले लिया गया है।

मध्य प्रदेश में खेल अधोसंरचना विकास के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत

भोपाल (नप्र)। राज्य सरकार ने प्रदेश में खेल अधोसंरचना विकास के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इससे भोपाल में लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से पांचवा हाकी मैदान तैयार होने के साथ प्रदेश के अन्य जिलों में कई निर्माण कार्य व खेल उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे। सरकार द्वारा स्वीकृत की गई राशि में नरसिंहपुर, टिमरनी, हरदा, गंजबासौदा, नागौद, रायसेन, नारायणगढ़, आगर मालवा, बीना (सागर), बुधनी (सीहोर) में इनडोर हाल निर्माण के लिए 1 करोड़ 69 लाख रुपये प्रति स्थान के हिसाब से शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इन सभी स्थानों पर उपकरणों के लिए 26 लाख रुपये (प्रति स्थान) स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा छह स्थान गैरतगंज, जोबट, गंजबासौदा, नटेरन, नरयावली और पन्ना में आउटडोर स्टेडियम के लिए 1 करोड़ 37 लाख रुपये प्रति स्थान के हिसाब से स्वीकृत किए गए हैं। उपकरणों के लिए प्रति स्थान 26 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इंटीग्रेटेड स्पोटर्स काम्प्लेक्स के निर्माण के लिए मुड़वारा (कटनी) के लिए नौ करोड़ 98 लाख रुपये, खजुराहो(छतरपुर) के लिए 10 करोड़ तथा मुरैना के लिए नौ करोड़ 82 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। गोटेगांव (नरसिंहपुर) स्टेडियम में पवेलियन एवं मंच निर्माण के लिए दो करोड़ एक लाख रुपये, टीकमगढ़ में हाकी सिंथेटिक एस्टो टर्फ की स्थापना के लिए आठ करोड़ 45 लाख, सिवनी में हाकी सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ की पुनर्स्थापना के लिए चार करोड़ 59 लाख तथा इंडोर सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रेक और बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 10 करोड़ 17 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। इन सभी स्थानों में उपकरण के लिए एक करोड़ 30 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

संपादकीय

जीत के मायने

देश के पंद्रहवें राष्ट्रपति के लिए हुए चुनाव में तस्वीर साफ हो चुकी है और अब द्रौपदी मुर्मू इस पद पर चुने जाने के साथ ही प्रथम नागरिक के तौर पर जानी जाएंगी। मतों की गिनती के बाद जैसा नतीजा सामने आया, उससे साफ है कि द्रौपदी मुर्मू का पक्ष हर स्तर पर भारी रहा। हालांकि उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में यशवंत सिन्हा ने इस लड़ाई में टक्कर देने की कोशिश की और इसके लिए उन्होंने अपने स्तर पर अलग-अलग राज्यों और राजनीतिक दलों से संपर्क में कोई कमी नहीं छोड़ी। पहले ही द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में एकतरफा रुख दिखने के बावजूद यशवंत सिन्हा ने 'अंतरात्मा की आवाज' का हवाला देकर वोट देने की अपील की थी।इसके अलावा, उन्हें क्रास वोटिंग की भी उम्मीद थी। मगर आखिरकार उनके पक्ष में अपेक्षित मत नहीं आ सके। इसके समांतर, द्रौपदी मुर्मू ने भी अपने पक्ष में स्पष्ट समर्थन के बावजूद वोट के लिए व्यापक पैमाने पर राजनीतिक दलों और नेताओं से संपर्क किया। अब इस सबका असर उनकी जीत के रूप में सामने है। यों मतगणना के दूसरे चक्र के बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि नतीजा द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में आने जा रहा है, मगर तीसरे चक्र की मतगणना में राष्ट्रपति बनने के लिए जरूरी पचास फीसद वोट हासिल कर लेने के बाद उनकी जीत की घोषणा हो गई।द्रौपदी मुर्मू को भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपनी ओर से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया था और उन्हें कुल सत्ताईस पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। इस समर्थन के बूते उनके पास साढ़े छह लाख मूल्य से ज्यादा के वोट पहले ही हासिल थे, जो जीत के लिए जरूरी संख्या से ज्यादा थे। लेकिन चुनाव के बाद ऐसी खबरें भी सामने आईं कि उनके पक्ष में कई अन्य पार्टियों के प्रतिनिधियों ने भी क्रास वोटिंग की। यानी राजग उम्मीदवार के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने अपने पक्ष में जरूरी वोट होने के अलावा एक तरह से अन्य दलों से जुड़े प्रतिनिधियों का भी समर्थन हासिल किया।इसे एक अच्छा और सकारात्मक राजनीति का संकेत इसलिए भी कहा जा सकता है कि देश की प्रथम नागरिक के रूप में उन्हें व्यापक स्तर पर सभी वर्गों का समर्थन मिला। हालांकि यशवंत सिन्हा के रूप में उनके सामने विपक्ष की ओर से एक प्रतिद्वंदी का होना भी लोकतांत्रिक खूबसूरती का परिचायक रहा, जिन्होंने अपनी ओर से मैदान में अपनी उपस्थिति बनाए रखी।अब नतीजों की घोषणा के बाद अगले कुछ दिनों में राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण के साथ ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, लेकिन इस चुनाव की अहमियत विशेष रूप से दर्ज की जाएगी। दरअसल, इस चुनाव पर समूचे देश में नजर इसलिए भी थी कि क्या चुनाव के बाद देश में राष्ट्रपति पद पर पहली बार एक आदिवासी महिला का चुनाव हो सकेगा।सांस्कृतिक-सामाजिक और धार्मिक विविधताओं से भरे देश में यह एक स्वाभाविक जिज्ञासा थी कि सर्वोच्च पद पर भी क्या हाशिये के तबकों और खासतौर पर आदिवासी समुदाय के बीच से किसी शख्सियत के दिखने की उम्मीद पूरी होगी। यह छिपा नहीं है कि आजादी के सात दशक बाद भी वंचित तबकों को प्रतिनिधित्व और भागीदारी हासिल करने के लिए कई स्तरों पर संघर्ष से गुजरना पड़ता है। अब द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिए जाने के बाद यह कहा जा सकता है कि देश ने अपने लोकतांत्रिक स्वरूप को दिनोंदिन मजबूत किया है और इसमें सबकी सहभागिता सुनिश्चित करने की ओर ठोस कदम बढ़ाए हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया जा सकता है 83 तक

(नीलांजन बानिक)

डॉलर के मुकाबले में रुपये की वैल्यू 80 से कम हुई तो उसकी काफी चर्चा हुई, लेकिन इसमें कई बारीक बातों पर ध्यान नहीं दिया गया। पहली बात तो यही है कि रुपये में गिरावट के बाद निर्यात बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। मुझे नहीं लगता है कि ऐसा होगा। आइए, देखते हैं क्यों।

कमोडिटी के निर्यात पर कीमतों का असर होता है। इसलिए, जब कीमतें कम होती हैं, तब निर्यात बढ़ता है। इसमें रुपये की वैल्यू कम होने से भी मदद मिलती है। कई चीजों का निर्यात संबंधित देश की इनकम से भी जुड़ा होता है। यानी, जब वहां की इनकम बढ़ती है तो इन चीजों के निर्यात में इजाफा होता है। आज के हालात में इन चीजों के निर्यात में बढ़ोतरी शायद ना हो, क्योंकि विदेशी बाजारों में इनकम घटने के आसार हैं।

भारत से निर्यात होने वाली चीजों में इधर बदलाव हुआ है। पहले, लेदर फुटवेयर, डेयरी प्रोडक्ट्स, बेवरेजेज, टेक्सटाइल और अपैरल प्रोडक्ट्स का अधिक निर्यात होता था। जिन पर कीमतों के कम या ज्यादा होने का असर पड़ता था। अब रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, आयरन और स्टील, केमिकल्स, मशीनरी, इंजीनियरिंग गुड्स, मोती और डायमंड का काफी निर्यात होता है, जो संबंधित देशों की इनकम से जुड़ा है।

इधर, वैश्विक ग्रोथ में कमी आ रही है, इसलिए भारत से उन चीजों का निर्यात घट सकता है, जिनका संबंध विदेश में इनकम बढ़ने या घटने से है। देश से निर्यात में अभी इन्हीं चीजों की भागीदारी ज्यादा है।

जुलाई 2022 के अनुमान के मुताबिक, यूरो जोन की जीडीपी ग्रोथ 2021 के 5.4 फीसदी से घटकर 2022 में 2.3 फीसदी रह सकती है। चीन में भी इसके 8.1 फसीदी से घटकर 2022 में 5 फीसदी रहने का अनुमान है। अमेरिका में महंगाई दर के चार दशकों के शिखर पर पहुंचने से रियल जीडीपी घट रही है। यहां तक कि जिन चीजों का निर्यात कीमतों में कमी आने से बढ़ता है, उनमें भी भारत दूसरे देशों की तुलना में बाजार गंवा रहा है।

यूं तो भारत लेदर फुटवेयर, टेक्सटाइल और अपैरल, एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स जैसी चीजों का निर्यात कर रहा है, जिनमें रुपये की वैल्यू कम होने पर तेजी आती है, लेकिन वह ऐसी कई चीजों का आयात भी कर रहा है। ऐसी कई चीजों का देश से जितने का निर्यात हो रहा है, उससे कहीं अधिक वैल्यू का आयात। इसलिए चालू खाता घाटा माइनस में है।

भारत ने निर्यात बढ़ाने के कई उपाय किए हैं, लेकिन अभी तक इनका बहुत असर नहीं दिखा है। वहीं, भारत क्रूड ऑयल, कीमती धातुओं और कोयले का आयात करता है, जिस पर रुपये की वैल्यू में गिरावट के कारण अधिक डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं।

भारत में भी महंगाई दर 7 फीसदी के साथ रिजर्व बैंक के लक्ष्य से ऊपर है। इस वजह से भी रुपये की वैल्यू घट रही है। शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों के पैसा निकालने से भी भारतीय मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। जब देश में डॉलर अधिक आता है तो उससे रुपये में मजबूती आती है। इसके साथ, घरेलू अर्थव्यवस्था की हालत से भी डॉलर के मुकाबले रुपये की वैल्यू तय होती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार में किसी देश की करंसी की वैल्यू सेंटिमेंट से भी तय होती है। जब चालू खाता घाटा और महंगाई दर अधिक हो, तब संबंधित देश की एसेट्स में निवेशकों की दिलचस्पी घट जाती है। भारतीय शेयर बाजार से पिछले साल अक्टूबर के बाद से विदेशी निवेशक 33 अरब डॉलर की रकम निकाल चुके हैं। अंकटाड की वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट में भी बताया गया था कि 2021 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 30 फीसदी घटकर 45 अरब डॉलर रह गया। विदेशी निवेशकों के पैसा निकालने का भारत कुछ नहीं कर सकता, लेकिन क्या महंगाई दर में कमी आने से रुपये पर दबाव घटने की उम्मीद की जा सकती है? सच पूछिए तो हाल-फिलहाल इसके आसार नहीं दिख रहे हैं। यह बात सही है कि मई की तुलना में जून में महंगाई दर में मामूली कमी आई है, लेकिन हाल में प्री-पैकेज्ड फूड आइटम्स पर जीएसटी लगाए जाने से महंगाई दर बढ़ने की आशंका है। दूसरी तरफ, विदेश से खरीदे जाने वाले क्रूड ऑयल जैसे आइटम्स से भी दबाव कम होने की आस नहीं दिख रही। इसलिए अगर अगले छह महीने में डॉलर की तुलना में रुपया 83 तक पहुंच जाए तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए। (लेखक महिंद्रा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में प्रफेसर हैं) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

कई शंकाओं और सवालों का जवाब

(विजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार)

आजादी का अमृत महोत्सव मनाते वक्त देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मिलना हमारी लोकतंत्रीय व्यवस्था में न केवल विश्वास को जाहिर करता है, बल्कि यह उन लोगों के मुंह पर तमाचा भी माना जा सकता है, जो भारत को आजादी देते वक्त हमारी लोकतंत्रीय समझ पर सवाल उठाने के साथ-साथ मजाक बना रहे थे। हमने इन 75 साल में सर्वोच्च सांविधानिक पद पर कमोबेश मुल्क के सभी वर्गों को नुमाइंदगी देने की कोशिश की है। इस दौरान देश को तीन-तीन मुस्लिम राष्ट्रपति, दो महिला, दो दलित, एक आदिवासी राष्ट्रपति भी मिला और तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल तक सभी को प्रतिनिधित्व का मौका भी, इसके बावजूद यह सवाल वाजिब हो सकता है कि इन सब औपचारिकताओं को भले हमने पूरा कर लिया हो, पर क्या इस नुमाइंदगी का फायदा उन लोगों को मिला, जिनके नाम पर यह मुहर लगाई गई या केवल राजनीतिक तालियां बटोरी गईं? जवाब थोड़ा हां और थोड़ा ना हो सकता है, क्योंकि बहुत कुछ बदला भी और बहुत कुछ बाकी रह गया। कम से कम इस बात की तसल्ली तो हो सकती है कि हम सही रास्ते पर चल रहे हैं। इन नुमाइंदगी ने उन तमाम धारणाओं को गलत साबित किया, जो दुनिया के दूसरे देश और हमारे मुल्क में भी कुछ लोग बताते हैं कि भारत सिर्फ एक हिंदू राष्ट्र है; यह महिला, आदिवासी, दलित विरोधी समाज है। राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू की जीत को महिलाओं के सशक्तीकरण के जश्न के तौर पर भी मनाया जा सकता है, लेकिन यह मिठास अधूरी सी लगती है, जब कोई हाईकोर्ट अपने एक फैसले में कहता है कि महिलाओं के लिए मंगलसूत्र जैसे 'शादी के चिह्न' पहनना जरूरी है और उनकों न पहनना पति को 'सामाजिक प्रताड़ना' देने जैसा है और यह तलाक का कारण भी बन सकता है। फैसले में यह भी कहा गया कि पुरुषों के लिए कोई 'वैवाहिक चिह्न' नहीं है, इसलिए उन पर यह पाबंदी नहीं हो सकती।

एक और खबर हैरान करने वाली मिली कि एक सर्वे में कर्नाटक के लोगों ने महिलाओं के साथ होने वाली 'पारिवारिक हिंसा' या पति द्वारा पत्नी को पीटने को गैर-वाजिब नहीं बताया। उनका मानना है कि यह अच्छे परिवार के लिए जरूरी है। क्या राष्ट्रपति पर किसी वर्ग विशेष की नुमाइंदगी सिर्फ राजनीतिक धारणा या संदेश भर के लिए होती है, इसका समाज की बेहतरी या ताकत से सीधा रिश्ता नहीं होता? किसी हद तक यह बात सही हो सकती है, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि इस तरह की नुमाइंदगी भले ही मोटे तौर पर वोटबैंक को साधने के लिए की गई हो, लेकिन यह उस वर्ग के आत्म-सम्मान और आत्म-गौरव से जुड़ी होती है और उस वर्ग को एक नई ताकत भी देती है या निराशा व पिछड़ेपन से उबारने का काम करती है। देश में दो-दो दलित राष्ट्रपति के आर नारायणन और रामनाथ कोविंद ने भले ही सीधे तौर पर दलित समाज के उत्थान के लिए कोई बड़ा काम न किया हो, लेकिन सर्वोच्च सांविधानिक पद पर उनके बैठने से दलित समाज को यह भरोसा जरूर कायम हुआ है कि अब वे कमजोर नहीं हैं। इसमें कहीं घोड़े पर से दलित दूल्हे को उतारने की घटना को अपवाद के तौर लिया जा सकता है। तीन-तीन मुस्लिम राष्ट्रपति होने से मुसलमानों की एक बड़ी आबादी का पिछड़ापन भले ही खत्म न हुआ हो, लेकिन इसने उन लोगों का मुंह जरूर बंद किया होगा, जो हिन्दुस्तान में मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने की बात करते रहते हैं। आम मुसलमान समझता है कि हिन्दुस्तान में उसके हक और बराबरी को कोई नहीं रोक सकता। यही बात महिला प्रतिनिधियों को लेकर कही जा सकती है। पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और एक जमाने में एक साथ पांच-पांच राज्यों में महिला मुख्यमंत्री, कई राज्यों में महिला राज्यपाल व बहुत से राजनीतिक दलों के अध्यक्ष पद पर महिलाओं के बैठने से आम महिला को ताकत जरूर मिली है। वह दिन दूर नहीं लगता, जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने की बात पुरुष प्रधान सामाजिक और राजनीतिक नेताओं को माननी ही पड़ेगी, क्योंकि देर भले हो जाए, अब उसे मंजिल तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता।

महिलाओं के कामकाजी होने को लेकर हमारे घर के दरवाजे भले ही खुले हों, लेकिन इसका एक बड़ा कारण हमारी आर्थिक जरूरतें हैं। इसमें भी पत्नी का पति के मुकाबले ज्यादा कमाना या ज्यादा पढ़ा-लिखा होना, हमें हजम नहीं होता है, क्योंकि हमें उसके तेवर बर्दाश्त नहीं होते।

इस राष्ट्रपति चुनाव के दौरान विपक्ष के साझा उम्मीदवार रहे यशवंत सिन्हा की योग्यता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, वह एक बेहतर राजनेता और कुशल प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं। सिन्हा ने खुद भी कहा कि यह चुनावी लड़ाई दो व्यक्तियों के बीच नहीं, दो विचारधाराओं के बीच है। सिन्हा ने जब 'अंतरात्मा की आवाज' पर वोट देने की बात की, वहां तक भी ठीक था, लेकिन उन्होंने जब 'रबर स्टांप' राष्ट्रपति होने का सवाल उठाया, तो आपत्ति दर्ज कराने की जरूरत लगी। क्या यह सवाल इसलिए उठाया गया, क्योंकि मुर्मू महिला और आदिवासी हैं? इस मौके पर मैं उन राष्ट्रपति या दूसरे लोगों का जिक्र कर आदिवासी महिला राष्ट्रपति के जीत के जश्न का स्वाद खराब नहीं करना चाहता, जिन्होंने सांविधानिक मर्यादाओं तक को ताक पर रख दिया। दुनिया के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष के सबसे बड़े आवास रायसीना हिल पर बने राष्ट्रपति भवन में ऐसे बहुत से किस्सों की फाइलें होंगी, लेकिन एक ताकतवर समाज से जुड़े किसी पुरुष उम्मीदवार के लिए हम ऐसे शक पैदा नहीं करते हैं!

आखिरी बात, राष्ट्रपति सिर्फ संविधान की शपथ नहीं लेते, वे संविधान की रक्षा की शपथ लेते हैं। सक्रिय राष्ट्रपति या 'ऐक्टिव प्रेसिडेंट' का मतलब प्रधानमंत्री और सरकार से आए दिन तकरार या विवाद करना कतई नहीं होता। उनसे उम्मीद होती है कि जिस दिन संविधान की अनदेखी हो रही हो, उस दिन या रात कोई राष्ट्रपति किसी दस्तावेज पर चुपचाप दस्तखत करना जरूरी न समझे। बेशक, राष्ट्रपति की मौजूदगी एक ताकत और भरोसा देती है। हार-जीत पर बहस तो बहुत होगी, लेकिन फिलहाल तो यह भारतीय गणराज्य के लिए शुभकामनाओं का समय है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

धराशायी रुपया

(अक्षय राणा)

डालर के मुकाबले भारतीय रुपया लगातार गिर रहा है। यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर गिर गया और अस्सी रुपए के मनोवैज्ञानिक निशान को तोड़ दिया। रूस-यूक्रेन संघर्ष, गैसोलीन और डीजल की बढ़ती कीमतें तथा वैश्विक मुद्रास्फीति सभी गिरावट में योगदान दे रहे हैं। इसका मुख्य कारण महंगाई भी है। कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर रही हैं और रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के चलते अब भी बढ़ रही हैं।वस्तुओं की कीमतों में वैश्विक बाजार में वृद्धि हुई है। नतीजतन, भारत का आयात बिल बढ़ गया है। रुपए के अवमूल्यन में योगदान देने वाला एक अन्य प्रमुख कारक विदेशी निवेशकों के विश्वास में कमी है। इस साल भारतीय शेयरों में विदेशी निवेश डालर के मुकाबले ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गया। अगर कई विदेशी निवेशक अपना पैसा बाजार से अधिक तेजी से

निकालना शुरू करते हैं, तो इससे शेयर बाजार में खलबली मच सकती है। इसके अलावा, रुपए के मूल्यह्रास के परिणामस्वरूप, लाखों और अरबों रुपए बाजार से गायब हो सकते हैं, जो छोटे निवेशकों के लिए विनाशकारी होगा। फिर भारत में गैसोलीन और डीजल के आयात की लागत अधिक हो सकती है।हालांकि, अन्य प्रमुख विश्व मुद्राओं की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत कम गिरी है। ऐसे में हम वैश्विक बाजार में हो रही उथल-पुथल से पूरी तरह बच नहीं पा रहे हैं। कई व्यवसाय अपनी व्यावसायिक प्रथाओं को बदल रहे हैं, क्योंकि वे डालर के मुकाबले रुपए की गिरावट के बारे में चिंतित हैं। ऐसे में ये व्यवसायी आने वाले महीनों में अपने सामान की लागत बढ़ाने का फैसला कर सकते हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ता के बटुए पर पड़ेगा।

छुट्टियों का मौसम शुरू होने से पहले टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं, मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों के कुछ निर्माता कीमतें बढ़ाने के मूड में हैं। भारतीय रुपए की गिरावट के परिणामस्वरूप जनता ने अपनी खरीद पर और भी अधिक कटौती करने का प्रयास करना शुरू कर दिया है, जिसका बिक्री पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सरकार को भारतीय अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए कई नीतियां लागू करनी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक को रुपए की गिरावट रोकने के लिए कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

द्रौपदी मुर्मू से क्या चाहते हैं आदिवासी

द्रौपदी मुर्मू बिल्कुल सरल स्वभाव की हैं और बेहद संवेदनशील भी। झारखंड में जब वह राज्यपाल थीं, उस दौरान अखबार में एक खबर आई कि गरीबी के कारण एक मां अपने पांच साल के एक बच्चे को किसी को देना चाहती है। खबर पढ़ते ही उन्होंने घोषणा कर दी कि उस बच्चे को वह गोद लेंगी। उसके पढ़ने-लिखने की पूरी व्यवस्था करेंगी। उन्होंने उस बच्चे को राजभवन बुलाया और उसकी पूरी जिम्मेदारी ली। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति चुने जाने से ऐसे तो हर वर्ग में खुशी है, लेकिन आदिवासी समुदाय में खास उत्साह है। संथाल, मुंडा, भील, गोंड, हो, उरांव समेत तमाम जनजातियों में आत्मविश्वास बढ़ेगा।

(अनुज कुमार सिन्हा)

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद के लिए भारी मतों से विजयी होना भारत के राजनीतिक इतिहास की बड़ी घटना है। उनकी जीत के कई मायने हैं और इसके दूरगामी प्रभाव भी दिखेंगे। द्रौपदी मुर्मू को एनडीए ने राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाया था। उनके नाम की घोषणा के बाद ऐसे हालात बने कि कई दलों को उनका समर्थन करना पड़ा। इनमें झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना जैसे दल भी हैं। शायद ही किसी को भरोसा था कि एनडीए देश के इस शीर्ष पद के लिए एक आदिवासी को मैदान में उतार सकता है, वह भी महिला को। इसलिए ऐसा लगा कि विपक्षी दल के पास एनडीए के इस मास्टर स्ट्रोक की कोई काट नहीं थी। यह इस बात का संकेत है कि द्रौपदी मुर्मू को लोग देश के इस सर्वोच्च पद पर देखना चाहते हैं।

जमीन से जुड़ा व्यक्तित्व

द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर गांव से आती हैं। यह बेहद पिछड़ा इलाका है। आदिवासी बहुल है। उन्होंने गरीबी देखी है, संघर्ष किया है और जमीन से जुड़ी रही हैं। वह धीरे-धीरे संघर्ष करते हुए आगे बढ़ी हैं। इसकी झलक उनकी राजनीतिक यात्रा पर एक नजर डालने से भी स्पष्ट हो जाता है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत पार्षद से की। इसके बाद वह विधायक बनीं। अगले कदम पर वह ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार में मंत्री बनीं। फिर उन्हें झारखंड का राज्यपाल बनाया गया। और अब वह राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाली हैं।

द्रौपदी मुर्मू बिल्कुल सरल स्वभाव की हैं और बेहद संवेदनशील भी। झारखंड में जब वह राज्यपाल थीं, उस दौरान अखबार में एक खबर आई कि गरीबी के कारण एक मां अपने पांच साल के एक बच्चे को किसी को देना चाहती है। खबर पढ़ते ही उन्होंने घोषणा कर दी कि उस बच्चे को वह गोद लेंगी। उसके पढ़ने-लिखने की पूरी व्यवस्था करेंगी। उन्होंने उस बच्चे को राजभवन बुलाया और उसकी पूरी जिम्मेदारी ली।

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति चुने जाने से ऐसे तो हर वर्ग में खुशी है, लेकिन आदिवासी समुदाय में खास उत्साह है। संथाल, मुंडा, भील, गोंड, हो, उरांव समेत तमाम जनजातियों में आत्मविश्वास बढ़ेगा। चुनाव प्रचार के दौरान जहां भी द्रौपदी मुर्मू गईं, उनका जोरदार स्वागत हुआ। अगर 2011 की जनगणना को आधार मानें, तो देश में आदिवासियों की आबादी 10.45 करोड़ है। इतनी बड़ी आबादी को हमेशा से लगता रहा है कि उसकी बात कोई नहीं सुनता। ऐसे में मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से आदिवासियों के मन में अपेक्षाएं भी काफी जगी हैं। इस समुदाय की समस्याओं के संदर्भ में देखें तो मुख्य अपेक्षाएं समझा जा सकती हैं।

आदिवासी समुदाय के सामने जल, जंगल और जमीन के मुद्दे प्रमुख हैं, जिनसे उनका जीवन जुड़ा है। वे मानते हैं कि प्राकृतिक संसाधनों पर उनका पहला हक है। लेकिन सच यह है कि सबसे पहले अगर किसी को विस्थापित किया जाता है तो वे आदिवासी ही हैं।

औद्योगिक विकास और बांध आदि से जुड़े प्रॉजेक्ट्स के लिए आदिवासियों की जमीन ले ली जाती है लेकिन पुनर्वास ढंग से नहीं किया जाता। सरकार ने आदिवासियों के लिए इस संबंध में कानून बनाए हैं, लेकिन उनका लाभ आदिवासी समाज को मिल नहीं पाता।

एक बड़ा मुद्दा है सरना धर्म कोड का। देश के आदिवासी अपने लिए एक अलग सरना धर्म कोड की मांग कर रहे हैं। यह मामला काफी समय से लंबित है। उनकी उम्मीद होगी कि अब इस पर पॉजिटिव फैसला होगा।

आदिवासियों की जमीन बचाने के लिए कई राज्यों में कानून तो बने हैं (झारखंड में सीएनटी और एसपीटी एक्ट) हैं, लेकिन ऐसे कानून की धज्जियां उड़ती रही हैं और आदिवासियों की जमीन पर दूसरे लोग कब्जा करते रहे हैं। अब आदिवासी समुदाय यह अपेक्षा करेगा कि इन कानूनों को कड़ाई से लागू किया जाए।

पेसा कानून को पूर्णतः लागू करने की भी बात उठेगी। संविधान की पांचवीं और छठी अनुसूची को कड़ाई से लागू करवाने की भी मांग आदिवासी समुदाय करेगा। इसकी अभी तक अवहेलना होती रही है।

सच यह है कि वनाधिकार कानून तो बना है, लेकिन पूर्णतः लागू नहीं हुआ है। वन और वन उपज पर आदिवासियों के अधिकार को लेकर भी टकराहट होती रही है।

आदिवासियों की जमीन के नीचे अरबों के खनिज हैं। इस वजह से भी उनकी जमीन ले ली जाती है और वे अपनी उसी जमीन पर मजदूरी करते हैं, खनन कार्य करते हैं। उस जमीन के मालिक नहीं रह जाते। ऐसे मामलों पर गंभीरता से संज्ञान लेने की अपेक्षा भी आदिवासी समुदाय करेगा।

द्रौपदी मुर्मू के अब तक के कार्य इस समुदाय की उम्मीदों का सबसे बड़ा आधार हैं। कुछ साल पहले जब वह झारखंड की राज्यपाल थीं, तब वहां जमीन संबंधी एक विधेयक लाया गया था। इस पर विवाद भी हुआ था। अंततः मुर्मू ने उस विधेयक को राज्य सरकार को वापस कर दिया था।

सरकार की प्राथमिकता

बहरहाल, चुनौतियां तो रहेंगी ही, लेकिन पक्ष में यह बात है कि वर्तमान केंद्र सरकार की प्राथमिकता में आदिवासी हैं। नरेंद्र मोदी की सरकार में आदिवासियों को सम्मान दिलाने का बड़ा प्रयास हुआ है। इनमें आजादी की लड़ाई में योगदान करने वाले आदिवासियों के सम्मान में देश के कई राज्यों में म्यूजियम बनाने का काम पूरा हो चुका है। भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिन को देश भर में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला भी केंद्र सरकार कर चुकी है। आने वाले दिनों में आदिवासी समुदाय को आगे बढ़ाने, उन्हें सम्मान दिलाने की योजनाएं आती रहेंगी। द्रौपदी मुर्मू के शीर्ष पद पर रहने से इस तरह की समस्याएं सुलझाने में मदद जरूर मिलेगी। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

फ्लिपकार्ट ने हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने भारतीय कारीगरों बुनकरों और हस्तशिल्प निर्माताओं को बाज़ार तक पहुंच प्रशिक्षण एवं इन्यूबेशन सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के अपने राष्ट्रव्यापी प्रयासों को जारी रखने हेतु हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के साथ आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हस्तशिल्प् और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद के सीईओ श्री कृष्ण कुमार और फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कॉर्पोरेट अफेयर्स अधिकारी श्री रजनीश कुमार के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) की स्थापना 2014 में दक्षता-आधारित प्रशिक्षण को सक्षम करके हस्तशिल्प एवं कालीन क्षेत्र को कुशल संसाधन प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। एचसीएसएससी के मिशन में हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र से संबंधित कौशल और मानकों का समग्र विकास शामिल है। एमओयू पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कॉर्पोरेट अफेयर्स अधिकारी श्री रजनीश कुमार ने कहा हम लाखों स्थानीय व्यवसायों को ई-कॉमर्स अपनाने में मदद करके भारत के आर्थिक विकास की कहानी का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित और प्रतिबद्ध हैं हमारा प्रयास उन्हें अपने व्यवसाय को डिजिटल बनाने और फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस के माध्यम से विकास के अवसरों का पता लगाने में मदद करने पर केंद्रित है कारीगरों, बुनकरों, शिल्पियों और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने के अपने संयुक्त मिशन में हस्तशिल्पो और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद (एचसीएसएससी) के साथ सहयोग करके हमें खुशी है फ्लिपकार्ट समर्थ पहल पूरे भारत में दस लाख से अधिक कारीगरों, बुनकरों और शिल्पियों की आजीविका को प्रभावित करके 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मानिर्भर भारत' के सरकार के मिशन को आगे बढ़ा रही है। 2019 में शुरू किया गया फ्लिपकार्ट समर्थ एक राष्ट्रव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य देश भर के लाखों एमएसएमई कारीगरों और वंचित समुदायों को ई-कॉमर्स के जरिए विकास के अवसरों से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम वंचित घरेलू समुदायों और व्यवसायों के लिए एक स्थायी और समावेशी प्लेटफॉर्म विकसित करने और उन्हें बेहतर आजीविका के अवसरों के साथ सशक्त बनाने के उद्देश्य पर केंद्रित है। फ्लिपकार्ट समर्थ इन छोटे व्यवसायों को फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस पर अपना व्यवसाय स्थापित करने में मदद करता है जो समयबद्ध इन्यूकार बेशन, ऑनबोर्डिंग में मदद, मुफ्त कैटलॉगिंग, मार्केटिंग, अकाउंट मैनेजमेंट, व्यावसायिक अंतर्दृष्टि और वेयरहाउसिंग सहायता प्रदान करता है।

रोडीज़- जर्नी इन साउथ अफ्रीका के चैंपियन आशीष भाटिया और नंदिनी बने!

मुंबई, एजेंसी। एमटीवी रोडीज़ - जर्नी इन साउथ अफ्रीका के ग्रांड फिनाले में पहली बार एक नहीं, बल्कि दो प्रत्याशियों को विजेता का ताज पहनाया गया है! साउथ अफ्रीका के दिल थामने वाले दृश्यों के बीच कई हफ्तों तक चली अनेक चुनौतियों, एलिमिनेशंस, ट्विस्ट्स और टर्न्स के बाद बडी पेयर आशीष भाटिया और नंदिनी नए सीज़न के 'चैंपियन' बनकर उभरे। लोकप्रिय सुपरस्टार एवं जनसेवी, सोनू सूद की होस्टिंग में इस सीज़न के फिनाले में कांटे की टक्कर हुई और इस प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल करने के लिए हर प्रतियोगी ने एड़ी से चोटी का जोर लगाया। भिन्न-भिन्न शहरों में में चली इस प्रतियोगिता का भव्य समापन केप टाउन में प्रतिष्ठित विक्टोरिया एवं अलफ्रेड (वीएंडए) में हुआ। सर्वश्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ की इस कांटे की टक्कर में 'रेस टू द टॉप' के लिए जबरदस्त रणनीति, धैर्य और साहस की जरूरत थी। फाईनलिस्ट बडी पेयर्स, केविन अलमासिफर - मूस जट्टाना, युक्ति अरोड़ा - जसवंत बोपन्ना, गौरव अलुग - सिमी तलसानिया, और आशीष भाटिया - नंदिनी ने अप्रत्याशित रूप से 4 मंचों पर असली रोडीज़-स्टाईल चैलेंज का सामना किया। केप टाउन के खूबसूरत दृश्यों के बीच प्लॉट में कुछ दिलचस्प ट्विस्ट भी आए। विजेताओं की घोषणा तक सस्पेंस बना रहा है और आशीष एवं नंदिना की विजेताओं के रूप में घोषणा के साथ माहौल में खुशी व्याप्त हो गई। विजेताओं की खुशी में शामिल होते हुए होस्ट, सोनू सूद ने दक्षिण अफ्रीका के संगीत पर डांस भी किया। इस शो के समापन पर सुपरस्टार एवं जनसेवी, तथा एमटीवी रोडीज़- जर्नी इन साउथ अफ्रीका' के होस्ट, सोनू सूद ने कहा, ''मुझे आशीष (भाटिया) और नंदिनी के विजेता बनने की बहुत खुशी है। उन्होंने बेहतरीन रणनीति, कुशाग्रता के साथ काफी दृढ़ता और केंद्रण का प्रदर्शन किया है। एमटीवी रोडीज़ जर्नी इन साउथ अफ्रीका में होस्ट का किरदार मेरे लिए हमेशा बहुत खास रहेगा। इस सफर में हर प्रतियोगी ने रोडीज़ की सच्ची भावना का प्रदर्शन किया। उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें मेंटर करना मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव है। अपनी जीत के बारे में आशीष भाटिया ने कहा, ''मैं बहुत उत्साहित और चकित हूँ।

हैप्पीएस्ट माइंड्स का बीती तिमाही में लाभ 58 प्रतिशत बढ़कर 56.34 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पीएस्ट माइंड्स का चालू वित्त वर्ष 2022-23 की जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 57.7 प्रतिशत उछलकर 56.34 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि एक साल पहले समान अवधि में 35.73 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। हैप्पीएस्ट माइंड्स का समीक्षाधीन तिमाही के दौरान ग्राहकों के साथ हुए अनुबंधों से एकीकृत आय 34.5 प्रतिशत बढ़कर 328.92 करोड़ रुपये हो गयी। एक साल पहले समान अवधि में यह 244.61 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा, ...हमारा 2031 तक एक अरब डॉलर की कंपनी बनने का लक्ष्य है।''

तेलंगाना को 300 इलेक्ट्रिक बसें देगी ओलेक्ट्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओलेक्ट्रा) तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीसीआरटीएस) को 500 करोड़ रुपये की 300 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) समूह की कंपनी एवी ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड (ईवीईवाई) को टीएसआरटीसी से 300 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए आवंटन पत्र (एलओए) मिला है। बयान के अनुसार, इस आर्डर का मूल्य 500 करोड़ रुपये है। ईवीईवाई इन बसों को इलेक्ट्रा से खरीदेगा और इन्हें 20 महीने की अवधि में वितरित किया जाएगा। यह आर्डर भारत सरकार की फेम योजना (हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से विनिर्माण और उसे अपनाना) के दूसरे चरण के तहत दिया गया है।

52,000 करोड़ के मालिक 65 की उम्र में पूरा करेंगे जवानी का अधूरा सपना

यह कहानी बहुत कुछ सिखाती है

साल 1978 में डीयू के लॉ सेंटर में मिला था सुब्रतो बागची को दाखिला

छठा सेमेस्टर अधूरा रहने का दशकों से था मलाल

डीयू के शताब्दी कार्यक्रम ने दिया अधूरी ख्वाहिश पूरी करने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग क्यों पढ़ाई करते हैं...बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेते हैं, जिससे एक अच्छी नौकरी मिल सके। अगर आप दिग्गज आईटी कंपनी के मालिक हों, तो किसी यूनिवर्सिटी से डिग्री लेने के बारे में सोचोगे शायद नहीं। लेकिन माइंडट्री के मालिक सुब्रतो बागची ऐसा कर रहे हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय से अपना डिग्री कोर्स पूरा करने के लिए परीक्षा में बैठेंगे। दरअसल इस तरह वे अपनी जवानी के सपने को पूरा करना चाहते हैं। बागची को डीयू (ष्ठ) में दाखिला लेने के बाद अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। वे हमेशा डीयू के लॉ सेंटर में अपना डिग्री कोर्स पूरा नहीं कर पाने को लेकर चिंतित रहे। लेकिन अब उन्हें 65 साल की उम्र में जाकर अपने अधूरे सपने को पूरा करने का मौका मिल गया है।

नौकरी तलाशने के लिए छोड़नी पड़ी थी पढ़ाई: उड़ीसा कौशल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और माइंडट्री के को-फाउंडर बागची इस समय 65 वर्ष के हैं। उन्होंने साल 1978 में डीयू में दाखिला लिया था। लेकिन उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़कर नौकरी की तलाश करनी पड़ी। अपनी डिग्री पूरी ना कर पाने को लेकर बागची हमेशा चिंतित रहे। लेकिन अब उन्हें अपनी डिग्री पूरी करने का मौका मिल गया है। दरअसल, डीयू अपने शताब्दी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अपने पुराने स्टूडेंट्स को डिग्री पूरा करने का अवसर दे रहा है। बागची इस मौके का फायदा उठा रहे हैं और दशकों बाद अपने अधूरे सपने को पूरा करना चाहते हैं।

अधूरा रह गया छठा सेमेस्टर: टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए बागची ने कहा, मुझे डीयू के लॉ सेंटर में दाखिला मिला था, जो 1978 में मंदिर मार्ग पर हुआ करता था। उस समय भारतीय आईटी उद्योग नवजात स्थिति में था और मुझे नौकरी के लिए शहर बदलना पड़ा। पहले मैं कोलकाता गया, फिर बेंगलुरु गया और फिर अमेरिका में सिलिकॉन वैली गया। देखते ही देखते छह साल बीत चुके थे और मेरा छठा सेमेस्टर अधूरा रह गया था। मुझे परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया था। उसके बाद दशकों बीच गए, लेकिन में अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाया। यह कुछ ऐसा था, जैसे किसी ने मेरी मेहनत को कालकोठरी में डाल दिया हो और चाबियां फेंक दी हों।

हजारों लोग उठा रहे मौके का फायदा

बागची अकेले नहीं है, जो डिग्री कोर्स पूरा करने के इस मौके का लाभ उठा रहे हैं। अपने शताब्दी समारोह के एक हिस्से के रूप में, डीयू उन लोगों को अनुमति दे रहा है, जिन्होंने अपना कोर्सवर्क तो पूरा कर लिया , लेकिन डिग्री अधूरी रह गई। ऐसे लोग इस साल अक्टूबर और अगले साल मार्च में होने वाली शताब्दी मौका परीक्षाओं में शामिल होने सकते हैं। डीयू द्वारा उपलब्ध कराए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 8,500 से अधिक उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रत्येक उम्मीदवार की टाइमलाइन और उस समय प्रचलित पाठ्यक्रम के आधार पर पेपर तैयार करेगा।

मार्कशीट देखकर दुखता था बागची का दिल: एक सफल आईटी उद्यमी के रूप में इतने वर्षों के बाद उन्होंने अपनी कानून की डिग्री हासिल करने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बागची ने टीओआई को बताया है। उन्होंने कहा, मेरे जीवन और काम को देखते हुए, कोई यह नहीं सोचेगा कि मुझे डिग्री अधूरी होने का पछतावा होगा। यह काफी हद तक सच है। फिर भी, जब भी मैंने लॉ सेंटर में पूरे किए गए पांच सेमेस्टर की मार्कशीट देखी, तो मेरा दिल दुखा। मैं अपनी जवानी के अधूरे सपने को पूरा करना चाहता था। अब परीक्षा देकर में अपने जीवन के एकमात्र अधूरे काम को पूरा करना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरे जैसे हजारों लोग फिर से अपना अधूरा सपना पूरा करना चाहेंगे। डीयू द्वारा अपने पूर्व छात्रों को प्रदान किए जा रहे इस अनूठे अवसर पर बागची ने कहा, यह कहना गलत नहीं होगा कि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की पूरी भावना को जीवंत कर दिया है।

मारुति की ऑल्टो का नया वैरिएंट जल्द

टेस्टिंग के दौरान दिखी इसकी झलक, पहली नजर में नहीं पहचान पाएंगे आप

नई दिल्ली, एजेंसी। मारुति भारत में ग्रैंड विटारा की लॉन्चिंग के बाद अब कंपनी ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली ऑल्टो के नए वैरिएंट को लॉन्च करने की तैयारी कर ली है। उम्मीद है इसे अगले महीने पेश किया जा सकता है। साल 2000 में लॉन्च की गई मारुति की ऑल्टो कुछ ही सालों में देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई थी। 20 सालों में कंपनी ने ऑल्टो की 40 लाख से ज्यादा कारें बेची हैं। हालांकि, फिर इसकी सेल में गिरावट आने लगी, लेकिन अब एक बार फिर यह कार नए अवतार में दस्तक देने वाली है।

कंपनी ने शुरू कर दी टेस्टिंग: रिपोर्टों में कहा गया है कि मारुति ने नई ऑल्टो की टेस्टिंग शुरू कर दी है। लीक हुई तस्वीरों में टेस्टिंग के दौरान इसकी झलक भी दिख चुकी है। नई आल्टो में इंजन से लेकर डिजाइन तक में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

पुराने मॉडल से होगी अलग: इस कार की लीक रिपोर्टों की मानें तो ऑल्टो के आने वाला वैरिएंट पुराने मॉडल से अलग होगा। इसे नया प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन देने की बात भी सामने आई है। इनमें कहा जा रहा है कि कार मॉड्यूलर हार्टेक्ट प्लेटफॉर्म पर तैयार की जाएगी। दूसरी कंपनियों द्वारा इस सेगमेंट में उतारी गई कारों के टक्कर लेने के लिए कंपनी इसकी डिजाइन में भी बड़ा बदलाव करने वाली है।

दो इंजन ऑप्शन मिल सकते हैं: ऑल्टो के दो एडिशन पहले ही पेश किए जा चुके हैं और यह वैरिएंट थर्ड जेनरेशन मॉडल होगा। इसमें नया के10सी 1.0-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन दिया जा सकता है। जो 89 एनएम का पीक टॉर्क और 67 एचपी की पावर देता है। रिपोर्टों में इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि कंपनी न्यू ऑल्टो को दो इंजन ऑप्शन में लॉन्च कर सकती है।

सीएनजी वैरिएंट भी आने की उम्मीद: ऑल्टो के थर्ड जेनरेशन मॉडल में बदलावों की बात करें तो इसके हेडलैंप्स और फॉग लैंप्स में चेंज देखने को मिल सकता है। इसके अलावा मेश ग्रिल के फ्रंट बंपर को भी बदला जा सकता है। एक और बड़ी बात सामने आ रही है कि मारुति सुजूकी नई ऑल्टो को सीएनजी वैरिएंट में भी लॉन्च कर सकती है, ताकि ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके।

अगस्त में लगभग आधे माह बंद रहेंगे बैंक, रिजर्व बैंक ने अगस्त के लिए छुट्टियों की सूची जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अगस्त के लिए बैंकों की छुट्टियों की सूची जारी की है। आरबीआई के कैलेंडर के मुताबिक महीने में कई दिन बैंक बंद रहेंगे। प्राइवेट और पब्लिक दोनों बैंक गजेटेड छुट्टी, वैधानिक अवकाश और रविवार को बंद रहते हैं। इसके अलावा बैंक हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को काम नहीं करते हैं। इन छुट्टियों के अलावा, राज्यों में कई क्षेत्रीय त्योहार मनाए जाने हैं। ऐसे मौकों पर विभिन्न राज्यों में बैंकों की स्थानीय शाखाएं भी बंद रहेंगी। किसी भी असुविधा से बचने के लिए आपको अपने बैंक जाने से पहले बैंक की छुट्टियों को देख लेना चाहिए, क्योंकि अगस्त में बैंक लगभग आधे महीने तक बंद रहेंगे।

अगर कई बैंकों में हैं आपके बचत खाते तो होंगे ये 5 बड़े नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बैंकों में खाता खुलवा लेना आसान है, लेकिन उसको मेंटेन करना बहुत बड़ा काम है। मान लीजिए कि आपके कई सेविंग्स अकाउंट है, तो आपको उन्हें मेन्टेन करने में काफी पैसे की जरूरत होगी। वहीं, अगर आपका सिर्फ एक अकाउंट हो तो उसे आपको मेन्टेन करने में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। कई खाते होने पर आपको आइटीआर फाइल करने में भी काफी समस्या आएगी। आइटीआर भरते समय अगर आपका सिंगल बैंक अकाउंट है, तो आप आसानी से उसकी डिटेल्स शेयर कर पाएंगे। कई खाते रहने पर आपको उनके सर्विस चार्ज, डेबिट कार्ड चार्ज, एसएमएस चार्ज, मिनिमम बैलेंस जैसे कई चार्ज्स देने होंगे। इसके अलावा भी कई नुकसान होता है, तो आइए जानते हैं कि मल्टीपल अकाउंट होने पर क्या-क्या नुकसान होते हैं।

जालसाजी का खतरा

एक से अधिक बैंक बचत खाते होने का अर्थ है निष्क्रिय खाते की संभावना, जो जालसाजी को बढ़ावा देता है। यह तब होता है, जब एक वेतनभोगी व्यक्ति वेतन खाते को छोड़कर एक जगह से दूसरे जगह नौकरी बदल लेता है। ऐसे मामले में वेतन खाता निष्क्रिय हो जाता है और जैसा कि पहले कहा गया है, ऐसे खातों में जालसाजी का सबसे अधिक खतरा होता है। एक से अधिक बचत खाते होने से आपके बैंक खाते को उचित न्यूनतम शेष राशि के साथ मैनेज करने में समस्या हो सकती है। ऐसे मामले में एक भी चूक से जुर्माना लग सकता है, जो सीधे आपकी CIBIL रेटिंग से संबंधित है।

सर्विस शुल्क

बैंक खाता होने पर एसएमएस अलर्ट सेवा शुल्क, डेबिट कार्ड एएमसी इत्यादि जैसे विभिन्न सेवा शुल्क लगते हैं। यदि आपके पास एकल बैंक बचत खाता है, तो आपको एक से अधिक बैंकों के मामले में एक बार भुगतान करना होगा। बचत खाते में सेवा शुल्क का भुगतान दोगुना हो जाता है।

सही जगह करें निवेश

बैंक बचत खाता रखने के लिए न्यूनतम शेषराशि भी बनाए रखना आवश्यक है। यदि आपके पास कई बैंक हैं, तो आपके बचत बैंक खाते में बड़ी राशि के फंसने की संभावना है। इन दिनों, निजी बैंक 20,000 रुपये न्यूनतम शेष राशि मांग रहे हैं और यदि आपके तीन अलग-अलग बैंकों में ऐसे तीन बैंक खाते हैं, तो आपके 40,000 रुपये दो अतिरिक्त बैंक बचत खाते की न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने में फंस जाएंगे। इस अतिरिक्त 40,000 रुपये का उपयोग निवेश के उद्देश्य से किया जा सकता है और इस पर 8 प्रतिशत का रिटर्न प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन, बैंक बचत जमा में किसी को लगभग 4-5 प्रतिशत का ही ब्याज मिलेगा, जो कि डेब्ट फंडों में निवेश के माध्यम से अर्जित आय का लगभग आधा है।

आयकर धोखाधड़ी

बैंक बचत खाते में 10,000 रुपये तक के ब्याज पर कर छूट है और इसलिए टीडीएस कटौती है। इसलिए, जब तक आपको अपने बैंक बचत खाते में 10,000 रुपये का ब्याज नहीं मिल रहा है, तब तक आपका बैंक टीडीएस नहीं काटेगा, लेकिन बैंक बचत खाते की संख्या कई होने के कारण, ऐसा हो सकता है कि आपके बैंक ने टीडीएस नहीं काटा क्योंकि आपके एकल बैंक खाते ने टीडीएस नहीं काटा। एक वित्तीय वर्ष में 10,000 रुपये का ब्याज नहीं मिलता है, लेकिन आपके सभी बचत खाते में संपूर्ण ब्याज जोड़ने के बाद, यह 10,000 रुपये को पार कर सकता है जिससे आप टीडीएस कटौती के लिए उत्तरदायी हो सकते हैं। उस स्थिति में, आपको आईटीआर फाइलिंग के दौरान आयकर विभाग को उसी के बारे में सूचित करना होगा।

गैस सिलेंडर पर सब्सिडी खत्म करने की कगार पर सरकार

केवल एक साल में बचाए अरबों रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार गैस सिलेंडरों पर दी जाने वाली सब्सिडी को पूरी तरह खत्म करने के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा लोकसभा में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, एलपीजी सिलेंडरों पर सब्सिडी की सरकार की लागत वित्त वर्ष 2011 में 11,896 करोड़ रुपये से घटकर वित्त वर्ष 2022 में महज 242 करोड़ रुपये रह गई है।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने गुरुवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में संबंधित उत्पादों की कीमत से जुड़ी हुई हैं, हालांकि सरकार घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को नियंत्रित करने की कोशिश करती रहती है। उन्होंने बताया कि एलपीजी सब्सिडी के मामले में सरकार ने वित्त वर्ष 2018 में 23,464 करोड़, वित्त वर्ष 2019 में 37,209 करोड़ और वित्त वर्ष 2020 में 24,172 करोड़ रुपये खर्च किए।

लगातार कम हो रहा सब्सिडी को बोझ: वित्त वर्ष 22 में सब्सिडी में आई भारी गिरावट लाभार्थियों की संख्या में कमी और गैस सिलेंडर के बढ़ते खुदरा मूल्य को दर्शाती है। जून 2020 में सरकार ने फैसला किया था कि सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर केवल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए उपलब्ध होंगे, सब्सिडी पाने वाले लोगों की संख्या में भरी कमी आई है। सरकार ने पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए एक वर्ष में 12 रिफिल तक के लिए 200 रुपये प्रति सिलेंडर की टारगेटेड सब्सिडी शुरू की है। सिलेंडर पर सब्सिडी लाभार्थी के बैंक खाते में जमा की जाती है।

बढ़ रही हैं रसोई गैस: बता दें कि हाल के दिनों में खाना पकाने के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में भी लगातार वृद्धि हुई है। इस महीने की शुरुआत में, तेल कंपनियों ने चार महानगरों में घरेलू सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की थी। दिल्ली में इन दिनों एक सिलेंडर की कीमत 1,053 है। आंकड़ों से पता चला है कि एलपीजी सिलेंडर की कीमतें अप्रैल 2019 में 706.50 रुपये प्रति सिलेंडर से घटकर 1 मई 2020 को 581.5 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई थीं। लेकिन तब से सिलेंडर की कीमत अप्रैल 2021 में की गई 10 रुपये की कटौती को छोड़कर लगातार बढ़ी हैं।

अल्ट्राटेक सीमेंट को 1582 करोड़ रुपये का मुनाफा, 300 रुपये से ज्यादा चढ़ गया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट को जून तिमाही में 1582 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर अल्ट्राटेक सीमेंट का मुनाफा 7 पर्सेंट घटा है। पिछले साल की समान अवधि में सीमेंट कंपनी को 1700 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स में टॉप गेनर रहे। सीमेंट कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को 325.50 रुपये का उछाल आया और वह 6454.50 रुपये पर पहुंच गए।

28 प्रतिशत बढ़ गया कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू : अल्ट्राटेक सीमेंट का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 28 पर्सेंट बढ़कर 15,163.98 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अल्ट्राटेक सीमेंट का रेवेन्यू 11,830 करोड़

रुपये था। जून 2022 तिमाही में अल्ट्राटेक की कंसॉलिडेटेड नेट सेल्स सालाना आधार पर 28.2 पर्सेंट बढ़कर 15,007 करोड़ रुपये रही, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 11,698 करोड़ रुपये थी। इंटरेस्ट, डेप्रिशिएशन और टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का मुनाफा 3204 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 3512 करोड़ रुपये था।

अल्ट्राटेक सीमेंट ने बताया है कि वित्त वर्ष 2023 की जून तिमाही में कंपनी ने 83 पर्सेंट का कैपेसिटी यूटिलाइजेशन हासिल किया है, जो कि वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही के दौरान 73 पर्सेंट था। सालाना आधार पर डोमेस्टिक सेल्स वॉल्यूम 19 पर्सेंट बढ़ा है। आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी ने कहा है कि उसका मौजूदा एक्सपैंशन प्रोग्राम ट्रैक पर है और इसके वित्त वर्ष 2023 के आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। जून तिमाही में सालाना आधार पर रॉ मैटीरियल कॉस्ट 13 पर्सेंट बढ़ी है। कंपनी ने कहा है कि एफवाय22 में मजबूत कारोबार के साथ ओवरऑल इनफ्लेशनरी ट्रेंड्स और लेबर की सीमित उपलब्धता के कारण सीमेंट की डिमांड पर असर पड़ा। हालांकि, प्री-मॉनसून कंस्ट्रक्शन एक्टिविटीज के कारण जून 2022 में सीमेंट की डिमांड में तेजी आई है।

ब्रिटेन में मौसम से सामंजस्य बैठाने पर ध्यान: मनप्रीत

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि ब्रिटेन पहुंचने कर मौसम के अनुकूल ढलने के बाद यह टीम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने के लिए जी-जान लगा देगी।

टीम 28 जुलाई से आठ अगस्त तक चलने वाले खेलों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बर्मिंघम रवाना हुई।उन्होंने रवानगी से पहले यहां कहा, '' हम इस आयोजन को लेकर काफी उत्साहित हैं क्योंकि हम पिछले कुछ समय से इस प्रतियोगिता को ध्यान में रखकर अभ्यास कर रहे हैं। हम दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, '' टीम ने पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम किया है और हम यहां पदक जीतने के लिए जो कुछ भी करना हो वह करेंगे।''भारत को पूल बी में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 31 जुलाई को घाना के खिलाफ करेगी।मनप्रीत का मानना ????है कि एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के 2021-2022 सत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद भारत का तीसरा स्थान हासिल करना बर्मिंघम में मददगार होगा।

ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में पूछे जाने पर मनप्रीत ने कहा, ''हर कोई उत्साहित है और मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने के लिए तैयार है।''उन्होंने कहा, ''अभी, हम बर्मिंघम पहुंचने और वहां के मौसम के अनुकूल ढलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अपने पहले मैच की भी तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि घाना के खिलाफ बेहतर शुरुआत हमारे अभियान के लिए अहम होगा।''

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला क्रिकेट टीम की 6 सदस्यों को वीजा का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना होने में 48 घंटे से कम समय रह गया है लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट दल की छह सदस्यों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। महिला क्रिकेट राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहा है। भारतीय टीम इस समय बेंगलुरू में ट्रेनिंग कर रही है और उसे रविवार को बर्मिंघम के लिए रवाना होना है।

बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) इस मुद्दे पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से संपर्क में है। आईओए सूत्र का कहना है कि कुछ वीजा आज मिल गए लेकिन अभी छह वीजा मिलने बाकी हैं जिसमें तीन खिलाडियों और 3 खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के हैं।

उन्होंने कहा- बाकी वीजा कल तक आ जाने चाहिए। वैसे भी हमारा इस प्रक्रिया में कोई नियंत्रण नहीं है। गर्मियों के कारण व्यस्तता है और ब्रिटेन का वीजा मिलने में समय लग रहा है। वहीं खिलाडियों की किट भी बेंगलुरू नहीं पहुंची हैं लेकिन आईओए अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शनिवार तक ये पहुंच गई थी।

बीसीसीआई ने 28 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। भारत अपने अभियान की शुरूआत 29 जुलाई को मजबूत आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू करेगा जिसके बाद उसका सामना 31 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। आठ सदस्यीय सहयोगी स्टाफ और तीन रिजर्व खिलाडियों को भी चुना गया है।

वहीं भारत के दल प्रमुख राजेश भंडारी को आखिर वीजा मिल गया और वह जल्द ही बर्मिंघम में अपने साथियों से जुड़ जाएंगे। वहीं उप दल प्रमुख प्रशांत कुशवाहा को भी वीजा का इंतजार है। आईओए सूत्र ने कहा- उनका वीजा भी जल्द ही मिल जाना चाहिए। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सूचित किया था कि टीम की एक सदस्या कोविड-19 पॉजिटिव आई हैं और पृथकवास में है। पता चला है कि यह क्रिकेटर तेजी से उबर रही है।

धवन ने तोड़ा 23 साल पुराना रिकॉर्ड

वनडे में हाफ सेंचुरी जमाने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने, अजहर को पीछे छोड़ा

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान शिखर धवन ने 97 रनों की शानदार पारी खेली। इसके साथ ही वे वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से हाफ सेंचुरी जमाने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इसके अलावा धवन नर्वस नाइनटीज में सबसे ज्यादा बार आउट होने के मामले में विराट कोहली से आगे निकल गए हैं। चलिए दोनों रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अजहर ने 36 साल 120 दिन की उम्र में जमाई थी फिफ्टी – धवन ने 36 साल 229 दिन की उम्र में हाफ सेंचुरी जमाई है। इससे पहले भारत की ओर से वनडे में हाफ सेंचुरी जमाने का रिकॉर्ड मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम था। अजहर ने 8 जून 1999 को बतौर कप्तान अपनी आखिरी हाफ सेंचुरी जमाई थी। तब उन्होंने मैनचेस्टर में पाकिस्तान के खिलाफ 59 रनों की पारी खेली थी। वह मुकाबला आईसीसी वर्ल्ड कप का था।

छठी बार नर्वस नाइटनीज का शिकार हुए – धवन सिर्फ तीन रन से शतक जमाने से चूक गए। वे अपने वनडे करियर में छठी बार नर्वस नाइनटीज का शिकार हुए हैं। यानी वे छठी बार 90 से 99 रन के स्कोर के बीच आउट हुए। वनडे क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों में उनसे ज्यादा बार नर्वस नाइनटीज का शिकार सिर्फ सचिन तेंदुलकर हुए हैं। सचिन 17 बार 90 से 99 के स्कोर के बीच आउट हुए। धवन अभी सौरव गांगुली की बराबरी पर आ गए हैं। गांगुली भी 6 बार नर्वस नाइनटीज का शिकार हुए थे। धवन विराट कोहली और वीरेंद्र सहवाग से आगे निकल गए। ये दोनों 5-5 बार 90 से 99 के बीच आउट हुए थे।

तीन साल बाद था शतक जमाने का मौका – धवन अगर इस पारी में तीन रन और बना पाते तो यह वनडे क्रिकेट में उनकी तीन साल बाद कोई सेंचुरी होती। इससे पहले उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में धवन ने 99 गेंदों पर 99 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और तीन छक्के जमाए। वे 34वें ओवर की चौथी गेंद पर आउट हुए।

सीडब्ल्यूसी 2022 : स्मृति मंधाना को इंग्लैंड में राष्ट्रगान सुनने से कम कुछ भी मंजूर नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो के स्टेडियम में जब राष्ट्रगान बज रहा था और पोडियम पर नीरज चोपड़ा स्वर्ण पदक पहने हुए थे, तब शेष भारत की तरह स्मृति मंधाना के भी रोंगटे खड़े हो गए थे। भारत की महिला टीम की उप-कप्तान अब बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी ऐसा ही अनुभव करना चाहती हैं। 26 साल की स्मृति मंधाना ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम के बर्मिंघम रवाना होने से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जब नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता तो सचमुच मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे।' स्मृति मंधाना ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम सिर्फ पोडियम फिनिश (शीर्ष तीन) की तलाश करेंगे। निश्चित रूप से हमने स्वर्ण जीतने का लक्ष्य बनाया है।' हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारत राष्ट्रमंडल खेलों में अपने अभियान को 29 जुलाई को शुरू करेगा। राष्ट्रमंडल खेलों में महिला क्रिकेट पहली बार शामिल किया गया है। राष्ट्रमंजल खेलों में भारतीय टीम को अपने शुरुआती मुकाबले में 5 बार की टी20 विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करना होगा। हालांकि, स्मृति मंधाना ने इस प्रतिद्वंद्वी को मजबूत मानने से इंकार कर दिया। स्मृति मंधाना ने कहा कि टीम ने अपने हर प्रतिद्वंद्वी के लिए योजनाएं बनाई है। इंग्लैंड रवाना होने से पहले उन्होंने यहां ऑनलाइन मीडिया सत्र में कहा, 'हमने कई टूर्नामेंटों के शुरुआती मैचों में ऑस्ट्रेलिया का सामना किया है।'भारतीय उपकप्तान ने

बोलीं- नीरज चोपड़ा ने भरी सोना जीतने की 'आग'

कहा, 'टी20 टूर्नामेंट में कोई भी टीम किसी भी को मात दे सकती है। मैं ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ी टीम कहकर उन्हें इसके बारे में अच्छा महसूस नहीं कराना चाहूंगी। निश्चित रूप से हमारे दिमाग में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबाडोस के मैच महत्वपूर्ण हैं। हम इन सभी मैचों को जीतना चाहेंगे।'भारत को इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम श्रीलंका में एकदिवसीय और टी20 श्रृंखला जीतकर बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जाएगी। स्मृति ने कहा, 'हमारी तैयारी वास्तव में अच्छी है। मुझे उम्मीद है कि हम पदक के साथ लौटेंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ शीर्ष तीन में रहना नहीं है, हम स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं।' भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की उपलब्धि से भारतीय टीम प्रभावित है। स्मृति स्मृति मंधाना ने कहा कि टीम अपने पहले मल्टी स्पोर्ट इवेंट में उनकी उपलब्धि से प्रेरणा लेगी। ब एं हाथ की इस बल्लेबाज ने कहा, 'हम सभी ने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों को देखा है। जब भारतीय ध्वज ऊंचा होता है और हम राष्ट्रगान सुनते हैं। हम जानते हैं कि यह किस तरह की भावना पैदा होती है। उन्होंने कहा, 'जब नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता तो सचमुच मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। हमारे पास उस तरह की उपलब्धि हासिल करने का मौका है। बेशक यह ओलंपिक के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए, लेकिन हम सभी वास्तव में उत्साहित हैं।' भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बारबडोस के साथ ग्रुप ए में है, जबकि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका ग्रुप बी में है। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। तीनों पदक के लिए मैच 7 अगस्त को खेले जाएंगे। स्मृति मंधाना ने कहा, 'हमारी कोशिश हर मैच को जीतने की होगी। हमनें तीनों टीम (ग्रुप चरण) के लिए योजना बनाई है। हम इन सभी मैचों को जीतना चाहेंगे।' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीम में कई मैच विजेता खिलाड़ी उभरे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी किस्मत अच्छी है कि पिछले कुछ वर्षों में टी20 क्रिकेट में कई खिलाड़ी मैच विजेता के तौर पर उभरे हैं। किसी खास दिन अगर दो-तीन बल्लेबाज या गेंदबाज ने अच्छा प्रदर्शन किया तो हम मैच में अच्छा करेंगे।'

मोहम्मद शमी ने खरीदी जगुआर कार

लाखों है कीमत, पलक झपकते पकड़ती है 100 किमी की रफ्तार

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार पेसर मोहम्मद शमी बहुत लाइम लाइट में नहीं रहते हैं, लेकिन वह उन क्रिकेटरों में शामिल हैं, जो लैविश लाइफ पसंद करते हैं। उन्होंने नई एफ-टाइप स्पोर्ट्स जगुआर कार लग्जरी स्पोर्ट्स कार खरीदी है। उनकी शोरूम में इस कार की चाभी लेते हुए तस्वीर वायरल हो रही है। तस्वीर में वह अपनी लाल रंग की शानदार कार के पास खड़े दिख रहे हैं। इस कार की कीमत 98.13 लाख रुपये बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी लाल रंग की कार महज 5.7 सेकंड में 100किमी की रफ्तार पकड़ लेगी। इस टू सीटर कार की टॉप स्पीड 250 किमी है। जगुआर की इस लग्जरी स्पोर्ट्स कार में दो पेट्रोल इंजन 1997 सीसी और 5000 सीसी का ऑप्शन है। दोनों ही इंजन के साथ ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। यह कार कुल 12 कलर में उपलब्ध है। इनमें फिरेंज रेड, गोल्ड, ब्राउन, डायनामिक ब्लैक, येलो, पोर्टोफिनो ब्लू, आइगर ग्रे, वेनेशियन ब्लू, सेंटोरिनी ब्लैक, फूजी वाइट, ऑरेंज और इंडस सिल्वर हैं। इस कार का मुकाबला बीएमडब्ल्यू एक्सजे 5 , मासेराती ग्रां टूरिज्मो, वोल्वो एक्ससी 90 से है। कुल मिलाकर सड़क पर उतरते ही यह स्पोर्ट्स कार पसंद करने वाले की दिल मोह लेगी।

शमी ने पिछले महीने नई रॉयल एनफील्ड कॉन्टिनेंटल जीटी 650 के साथ तस्वीर शेयर की थी। उन्होंने अपने चाहने वालों के साथ अपनी खुशी का इजहार किया था। बता दें कि रॉयल एनफील्ड कॉन्टिनेंटल जीटी 650 का एक्स शोरूम कीमत 3.32 लाख रुपये है। मोहम्मद शमी हाल ही में इंग्लैंड दौरे से लौटे हैं।

रविंद्र जडेजा घुटने में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 एकदिवसीय मैच से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा शुक्रवार को घुटने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां 3 मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले उनकी फिटनेस की जानकारी दी। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक- रविंद्र जडेजा के दाहिने घुटने में चोट लगी है और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे से बाहर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है और तीसरे एकदिवसीय में उनके भाग लेने पर फैसला उसी के अनुसार लिया जाएगा। वेस्टइंडीज टीम में वापसी करने वाले दिग्गज हरफनमौला जेसन होल्डर भी कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण इस मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीमों को एनएसएफ के कारण परेशानी नहीं झेलनी होगी: उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कई राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के नियमों का पालन नहीं करने संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों और देश को राष्ट्रीय खेल संहिता का पालन नहीं करने वाली एनएसएफ को फंड जारी नहीं किये जाने के कारण परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अदालत ने केंद्र के वकील को सूचित किया कि 28 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली भारतीय टीम की यात्रा और रहन-सहन का खर्चा सरकार द्वारा उसकी देखरेख में और प्रबंधन के अंतर्गत दिया जायेगा। अदालत वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें एनएसएफ के खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करने की मांग की गयी है।अदालत ने पहले निर्देश दिया था कि खेल संहिता का पालन नहीं करने वाली एनएसएफ को कोई धन राशि या सहायता मुहैया नहीं करयी जायेगी। अदालत ने साथ ही कहा कि जून में पारित किया अंतरिम आदेश अगले आदेश तक जारी रहेगा।

न्यायमूर्ति नज्मी वजीरी और विकास महाजन की पीठ ने कहा- राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम चुन ली गयी है। सरकार के लिये वकील के सामने एक सवाल रखा गया कि विभिन्न खेल स्पर्धाओं के लिए भारतीय टीम क्या एक हफ्ते के अंदर शुरू होने वाले आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में देश के तिरंगे के अंतर्गत भाग ले पायेगी, तो इसका जवाब सकारात्मक है।

पीठ ने कहा- इससे कोई भारतीय खिलाड़ी और देश के खेल संहिता का पालन नहीं करने वाली एनएसएफ को फंड जारी नहीं करने से परेशानी नहीं झेलनी होगी।

शुभमन गिल ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बने सबसे युवा भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने वेस्टइंडीज दौरे के आगाज जीत के साथ किया। पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में टीम इंडिया ने 3 रनों से मेजबानों को धूल चटाई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 308 रन लगाए। इस दौरान कप्तान शिखर धवन, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए विंडीज टीम 305 ही रन बना पाई। भारत इस जीत के साथ तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुका है। इस मुकाबले में भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक जमाया और इसी के साथ उन्होंने मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बड़े रिकॉर्ड को धवस्त किया। ये रिकॉर्ड है वेस्टइंडीज में वनडे क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय का। गिल ने 22 साल 317 दिन की उम्र में यह कारनामा कर सचिन को पछाड़ दिया है। इससे पहले सचिन वेस्टइंडीज में अर्धशतक जमाने वाले सबसे युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज थे। उन्होंने यह कारनामा 24 साल 3 दिन की उम्र में किया था।

वहीं बात ऑलओवर रिकॉर्ड की करें तो गिल का नंबर विराट कोहली के बाद आता है। किंग कोहली ने 2010 में 22 साल 215 दिन की उम्र में वेस्टइंडीज में अर्धशतक जमाया था और वह ऐसा करने वाले सबसे युवा भारतीय हैं।

2020 में गिल ने खेला था आखिरी वनडे – वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला खेलने से पहले शुभमन गिल का वनडे करियर मात्र तीन ही मैच का था। 31 जनवरी 2019 को 50 ओवर क्रिकेट में डेब्यू करने वाले गिल ने आखिरी मैच 2 दिसंबर 2020 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। अब सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में डेढ साल बाद एक बार फिर इस खिलाड़ी को मौका मिला है।

रोमांचक मुकाबले में 3 रन से जीता भारत

आखिरी ओवर में 15 रन नहीं बना पाई वेस्टइंडीज, लगातार 7वां वनडे इंटरनेशनल मुकाबला हारी

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। टीम इंडिया ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 3 रन से हरा दिया। कप्तान शिखर धवन (97), शुभमन गिल (64) और श्रेयस अय्यर (54) की हाफ सेंचुरी के दम पर भारत ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 308 रन बनाए। जवाब में कैरेबियाई टीम 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 305 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज की ओर से काइल मेयर्स ने सबसे ज्यादा 75 रन बनाए। ब्रैंडन किंग ने 54 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर और युजवेंद्र चहल ने 2-2 विकेट लिए।

आखिरी ओवर का रोमांच – वेस्टइंडीज को जीत के लिए आखिरी ओवर में 15 रन बनाने थे, लेकिन वह 11 रन ही बना पाई। रोमारियो शेफर्ड (39) और अकील हुसैन (33) ने नाबाद साझेदारी कर विंडीज को जिताने की भरपूर कोशिश की, लेकिन मोहम्मद सिराज ने ऐसा नहीं होने दिया। 97 रन की पारी खेलने वाले टीम इंडिया के कप्तान शिखर धवन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह वेस्टइंडीज की ओवरऑल लगातार 7वीं वनडे इंटरनेशनल हार है।

पहले विकेट के लिए धवन-गिल के बीच शतकीय साझेदारी -- टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 105 गेंद में 119 रन की साझेदारी हुई। कप्तान धवन ने 53 गेंद में 50 और शुभमन गिल ने 52 गेंद में 64 रन का योगदान दिया। श्रेयस अय्यर ने भी अच्छी बल्लेबाजी की और 54 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर और शिखर धवन के बीच 97 गेंद में 94 रन की साझेदारी हुई। वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा 2-2 विकेट अल्जारी जोसेफ और गुडाकेश मोती ने लिए। दोनों टीमों के बीच अब तक 137 मुकाबले खेले गए हैं। भारत को 68 मैचों में जीत और 63 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, 2 मैच टाई रहा है। 4 मैच में कोई रिजल्ट नहीं निकला है।

वेस्टइंडीज में 16 साल से नहीं हारा भारत – वेस्टइंडीज ने भारत को आखिरी बार अपने घर में साल 2006 के वनडे सीरीज में हराया था। इसके बाद भारत ने चार बार वेस्टइंडीज का दौरा किया है और हर बार जीत हासिल की है। दोनों टीमों के बीच कुल नौ वनडे सीरीज खेली गई है, जिसमें से पांच में ब्लू आर्मी को जीत मिली है।

भारत की प्लेइंग इलेवन– शिखर धवन (कप्तान), शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज की प्लेइंग इलेवन– शाई होप (विकेटकीपर), काइल मेयर्स, ब्रैंडन किंग, शामराह ब्रूक्स, निकोलस पूरन (कप्तान), रोवमन पॉवेल, अकील हुसैन, रोमारियो शेफर्ड, गुडाकेश मोती, अल्जारी जोसेफ, जेडेन सिल्स।

युवा खिलाड़ी आयुष छेत्री के साथ एफसी गोवा ने किया करार

पणजी (एजेंसी)। एफसी गोवा ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र के लिए भारत के युवा मिडफील्डर आयुष छेत्री के साथ तीन साल के करार पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। आयुष अंडर-15 और अंडर-18 स्तर पर हीरो युवा लीग में आइजोल एफसी की फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करने के बाद 19 साल की उम्र में इस टीम के लिए आईलीग में खेले हैं। उन्होंने आईलीग के 10 मैचों में तीन गोल किए हैं। क्लब के साथ करार करने के बाद छेत्री ने कहा कि एफसी गोवा देश के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल क्लब में से एक है और मुझे इस टीम के साथ जुड़ने की खुशी है। आईएसएल में खेलना मेरा सपना रहा है।

सेहर ने आखिरी होल में बर्डी के साथ जीता डब्ल्यूपीजीटी के 10वें चरण का खिताब

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेहर अटवाल ने दबाव की परिस्थितियों में आखिरी होल में बर्डी लगाकर हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के 10वें चरण में सत्र का अपना पहला खिताब जीता। सेहर अपने पिछले दो टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी। यहां के 'प्रेस्टिज गोल्फशर' में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन खिताब के चार दावेदार थे लेकिन सेहर ने आखिरी होल में बर्डी लगाकर पार 72 के कार्ड के साथ जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर चार अंडर 212 का रहा। नयनिका सांगा (70) और नेहा त्रिपाठी (72) एक समान तीन अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे जबकि स्नेहा सिंह (72) दो अंडर 214 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रही।

बीसीसीआई ने अंपायरों के लिए शुरू की ए प्लस श्रेणी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी एलीट पैनल के सदस्य नितिन मेनन उन दस अधिकारिक लोगों में शामिल हैं जिन्हें बीसीसीआई के अंपायरों की नई शुरू की गई ए प्लस श्रेणी में शामिल किया गया है। अन्य में जो चार अंतरराष्ट्रीय अंपायर शामिल हैं वह हैं अनिल चौधरी, मदनगोपाल जयरामन, वीरेंद्र शर्मा और केएन अनंतापद्मनाभन। रोहन पंडित, निखिल पटवर्धन, सदाशिव अय्यर, उल्हास गांधे और नवदीप सिंह सिद्धू भी ए प्लस श्रेणी का हिस्सा हैं। सी शमशुद्दीन सहित 20 अंपायर ए ग्रुप में हैं, जबकि ग्रुप बी में 60, ग्रुप सी में 46 और ग्रुप डी में 11 अंपायर हैं, जो 60-65 आयु वर्ग में आता है।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर के हरिहरन, सुधीर आसनानी और अमीश साहेबा और बीसीसीआई अंपायरों की उप-समिति के सदस्यों द्वारा किए गए कार्यों के बाद गुरुवार को एपेक्स काउंसिल की बैठक में पूरी सूची पेश की गई। ए प्लस और ए श्रेणी वाले अंपायरों को प्रथम श्रेणी मैच के लिए प्रतिदिन 40,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि बी और सी श्रेणी वाले अंपायरों को प्रति दिन 30,000 रुपए मिलेंगे। हालांकि सूची को 'अंपायरों के उन्नयन' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बोर्ड ने ग्रुप्स बनाए हैं।

अधिकारी ने कहा, यह ग्रेडिंग नहीं है। ए प्लस नई श्रेणी का समूह है। कोई कह सकता है, ए प्लस और ए में सर्वश्रेष्ठ भारतीय अंपायर होंगे। बी और सी श्रेणी के अंपायर भी अच्छे हैं। जब रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू होने वाले शीर्ष घरेलू आयोजनों में ड्यूटीज सौंपने की बात आती है, तो समूहवार वरीयता दी जाएगी। 2021-2022 सीजन के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद ग्रुपिंग की गई है।

कोविड -19 के खतरे को कम करने के साथ, बीसीसीआई ने दो साल बाद 2022-23 में पूर्ण घरेलू सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया है। वह पुरुष और महिला क्रिकेट के विभिन्न आयु वर्गों में 1832 मैचों का आयोजन करने की योजना बना रहा है, जो एक अतिविशाल प्रयोग है। आईपीएल में भारतीय अंपायरों के स्टैंडर्ड की अक्सर आलोचना की जाती है।

वोडाफोन आइडिया ने नए सीईओ होंगे अक्षय मूंदड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने मौजूदा मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अक्षय मूंदड़ा को 19 अगस्त से अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बनाने की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। सूचना में कहा गया है कि कंपनी के वर्तमान प्रबंध निदेशक और सीईओ रविंदर टक्कर एक गैर-कार्यकारी और गैर-स्वतंत्र निदेशक के रूप में कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। टक्कर को 19 अगस्त, 2019 से तीन साल की अवधि के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया था। इनका कार्यकाल 18 अगस्त को समाप्त होगा। इसमें कहा गया है, वोडाफोन-आइडिया के निदेशक मंडल ने मनोयन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर अक्षय मूंदड़ा को 19 अगस्त, 2022 से तीन साल की अवधि के लिए कंपनी का सीईओ नियुक्त किया है।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कृषि कार्यो के लिए ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया

कठुआ/जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शुक्रवार को फसलों पर कीटनाशकों के छिड़काव एवं अन्य कृषि गतिविधियों के लिए ड्रोन के उपयोग की शुरुआत की। कठुआ जिले में एक गांव एक ड्रोन पहल के तहत मक्के की फसल को 'फॉल आर्मीवर्म' से बचाने के मकसद से कीटनाशकों के छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग शुरु किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ के हीरानागा क्षेत्र के बालन पेन गांव में कृषि संबंधी गतिविधियों में ड्रोन के इस्तेमाल का परीक्षण किया गया। उपायुक्त राहुल पांडेय ने प्रखंड विकास समिति के अध्यक्ष बृजेश्वर सिंह के साथ स्थानीय किसानों की मौजूदगी में परीक्षण शुरू किया। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के माध्यम से एक विशेष टीम द्वारा किए गए पहले परीक्षण में ड्रोन के जरिये मक्का के खेतों में कीटनाशक और नैनो यूरिया का छिड़काव किया गया था। पांडे के अनुसार, कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक शुरू करने का उद्देश्य कृषि गतिविधियों को अंजाम देने में कृषक समुदाय के संकट को कम करना है। पांडे ने कहा, ''कुछ कृषि कार्यों के लिए पारंपरिक तकनीकों में सैकड़ों श्रमिकों की आवश्यकता होती है, जिन्हें एक ड्रोन द्वारा कुछ ही घंटों में पूरा किया जा सकता है।''

साई सिल्क्स की आईपीओ से 1,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। परिधान क्षेत्र के खुदरा विक्रेता साई सिल्क्स (कलामंदिर) लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 1,200 करोड़ रुपये जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। मसौदा दस्तावेज के मुताबिक, आईपीओ में 600 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा कंपनी के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह के पास मौजूद 18,048,440 शेयरों की बिक्री की भी पेशकश की जाएगी। निर्गम से जुटाई राशि का उपयोग 25 नए स्टोर एवं दो गोदाम खोलने, कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने, कर्ज के भुगतान और सामान्य वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। बाजार सूत्रों के मुताबिक, निर्गम का आकार 1,200 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। इसके शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। साई सिल्क्स दक्षिण भारत में परंपरागत परिधान, खासकर साड़ियों की प्रमुख खुदरा विक्रेताओं में से एक है।

कर्नाटक ने नयी रोजगार नीति को दी मंजूरी, रोजगार बढ़ाने का लक्ष्य

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 'कर्नाटक रोजगार नीति 2022-25' को मंजूरी दे दी। इस नीति का उद्देश्य राज्य में उद्योगों का विस्तार करना या नयी इकाइयों की स्थापना करना है, ताकि अधिक संख्या में रोजगार सृजित किया जा सके। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृत नीति का उद्देश्य राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ स्थानीय लोगों को नौकरी के अधिक अवसर प्रदान करना है। कानून और संसदीय कार्य मंत्री जे सी मधुस्वामी ने कहा, ''विभिन्न इकाइयों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर पहले से अलग दिशा-निर्देश मौजद थे। नयी नीति के तहत, हमने नौकरियों की संख्या बढ़ाने और स्थानीय लोगों को रोजगार देने पर जोर दिया है। हमने उद्योगों को वर्गीकृत किया है।'' उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि उदाहरण के तौर पर यदि एक उद्योग को मध्यम श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और जहां न्यूनतम रोजगार 20 है, वहां उद्योग को सात और नौकरियां सृजित करनी होगी। नीति के तहत 10 करोड़ रुपये अतिरिक्त निवेश की अनुमति दी गयी है। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 46.37 लाख स्कूली छात्रों को एक जोड़ी काले जूते और सफेद मोजे के दो सेट उपलब्ध कराने के लिए 132 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

एमटीएनएल के निजीकरण की कोई योजना नहीं: मंत्री देवुसिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी स्वामित्व वाले महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि एमटीएनएल को वर्ष 2016-17 से घाटा हो रहा है, और वर्ष 2021-22 में इसका घाटा 2,617 करोड़ रुपये था। मंत्री ने कहा, ''एमटीएनएल के निजीकरण की कोई योजना नहीं है।'' सरकार ने अक्टूबर 2019 में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और एमटीएनएल के लिए पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी, जिसमें दो सरकारी स्वामित्व वाले दूरसंचार निगमों के विलय के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी गई थी। एमटीएनएल के अधिक कर्ज और बीएसएनएल की प्रतिकूल वित्तीय स्थिति के कारण, सरकार ने दिसंबर 2020 में एमटीएनएल की ऋण स्थिति में सुधार होने तक विलय को टाल दिया। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने 14 जून, 2022 को हुई अपनी बैठक में 5-जी सेवाएं प्रदान करने के लिए बीएसएनएल के लिए स्पेक्ट्रम आरक्षित किया था। चौहान ने कहा, ''आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत में बने 4 जी उपकरणों का परीक्षण पहले से ही अग्रिम चरण में है और परीक्षण पूरा होने के बाद उपकरणों की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि इस उपकरण को लगाने और चालू करने के बाद लोगों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, मंत्री ने कहा कि प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं का वित्तवर्ष 2018-19 तक कुल लाइसेंस शुल्क (एलएफ) और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) बकाया लगभग 1,62,654.4 करोड़ रुपये था।

सिंधिया ने स्पाइसजेट की जबलपुर-कोलकाता उड़ान का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट की जबलपुर से कोलकाता के बीच संचालित उड़ान का उद्घाटन किया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि नागर विमानन मंत्री ने एक वर्चुअल कार्यक्रम में इस नई उड़ान की शुरुआत की। इस दौरान नागर विमानन राज्य मंत्री वी के सिंह, जबलपुर के सांसद राकेश सिंह, विमानन सचिव राजीव बंसल और स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह भी मौजूद थे। स्पाइसजेट ने कहा कि जबलपुर-कोलकाता उड़ान के लिए क्यू400 विमान का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही एयरलाइन ने दिल्ली-खजुराहो मार्ग पर कुछ और उड़ानें शुरू कर दी हैं। स्पाइसजेट की मुख्य वाणिज्य अधिकारी शिल्पा भाटिया ने कहा कि जबलपुर एक महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर एवं पर्यटन स्थल है। उन्होंने कहा कि स्पाइसजेट दैनिक उड़ानों के साथ जबलपुर को कोलकाता से जोड़ने वाली एकमात्र एयरलाइन होगी।

काफी टूट चुके हैं विदेशी तेलों के दाम, किसानों के फायदे के लिए अब आयात शुल्क बढ़ाने की हो रही मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम टूटने के कारण घरेलू बाजार में कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई हैं। शुक्रवार को सरसों व मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन, बिनौला और पामोलीन तेल कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। वहीं, आयातकों द्वारा नीचे भाव पर बिक्री नहीं किये जाने से सोयाबीन तेल और कच्चा पाम तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। मलेशिया एक्सचेंज आधा फीसदी कमजोर था, जबकि शिकागो एक्सचेंज में गिरावट के बाद फिलहाल स्थिरता है।

विदेशों में काफी टूटे हुए हैं दाम

बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम इस कदर टूटे पड़े हैं कि आयातक बेहाल हैं। पिछले लगभग डेढ़ साल में विभिन्न किस्तों में सरकार ने आयात शुल्क काफी घटाया है। सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के आयात को तो शुल्क मुक्त कर दिया है। दाम कम होने से खाद्य तेलों पर लगने वाला वस्तु एवं सेवा कर भी कम हो गया है। लेकिन बड़ी खाद्य तेल कंपनियों और छोटी मिलों द्वारा खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य में जो कमी की गई है, उसमें अभी भी काफी कटौती किये जाने की गुंजाइश है। इसलिए सरकार को तेल कंपनियों के एमआरपी की एक सीमा तय कर उसको कड़ाई से लागू कराना होगा।

आयात शुल्क बढ़े

वैश्विक कीमतों में आई भारी गिरावट के बाद अब समय खाद्य तेलों के आयात शुल्क में वृद्धि का है। यह स्थानीय तेल उद्योग, किसानों के लिए हितकारी कदम होगा। सूत्रों ने कहा कि जब खाद्यतेलों के दाम महंगे होते हैं, तो विभिन्न तेल संगठन, समाचार पत्र व बाजार के विशेषज्ञ आयात शुल्क घटाने की मांग करते हैं। उसी तरह विदेशों में दाम टूटने पर उन्हें उसी सक्रियता से आयात शुल्क में वृद्धि की भी मांग करनी चाहिए। यह स्थानीय तिलहन किसानों के हित में होगा।

सरकार को मिलेगा राजस्व

सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेलों के आयात शुल्क को पहले की तरह बहाल कर देना चाहिए। इससे देश को राजस्व की भी प्राप्ति होगी और बाजार सस्ते आयातित तेल से पटने से बचेगा। स्थानीय किसानों को अपनी तिलहन उपज बेचने के लिए सस्ते आयातित तेल से प्रतिस्पर्धा नहीं करनी होगी। वे अपना तिलहन उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित होंगे।

पीएम-उदय योजना में वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज से हटाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पीएम-उदय योजना के तहत लाभ पाने के लिए जरूरी दस्तावेजों की प्रक्रिया सरल करते हुए वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज के दायरे से बाहर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने शुक्रवार को एक बयान में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के तहत आवेदन करने वाले करीब 1,500-2,000 लोग यह मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे थे। पीएम-उदय योजना के तहत लाभ पाने के लिए अभी तक वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज माना जाता था।

केंद्र सरकार ने दिल्ली की अनधिकृत बस्तियों में रहने वाले लोगों को मकान का मालिकाना हक देने के लिए पीएम-उदय योजना चलाई थी। इसके लिए वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज माना गया था। डीडीए ने कहा, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने पीएम-उदय योजना के तहत दिल्ली की अनधिकृत बस्तियों के निवासियों को फायदा पहुंचाने के लिए वसीयत को अनिवार्य दस्तावेज से बाहर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इस संशोधन के बाद मालिकाना हक के लिए उस भूखंड से जुड़ी वसीयत अनिवार्य नहीं रह गयी है। इससे लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और प्रक्रिया को भी सरलीकृत किया जा सकेगा।

डीडीए ने इस बयान में यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने इस योजना का लाभ पाने के लिए 'पॉवर ऑफ अटॉर्नी' या बिक्री करार के स्थान पर पंजीकृत गिफ्ट डीड को भी जमा करने की मंजूरी दे दी गई है।

वमन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नए उपकरण को मिला पेटेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार का आयुष मंत्रालय आयुर्वेदिक चिकित्सा में नई तकनीक और प्रयोगों को बढ़ावा दे रहा है। इसी कड़ी में वमन प्रक्रिया या चिकित्सीय इमिसिस को आसान बनाने के लिए एक स्वचालित प्रणाली व उपकरण विकसित किया गया है। इस चिकित्सा में उल्टी लाने वाली औषधियों का प्रयोग करके आमाशय की शुद्धि की जाती है। उल्टी करवाकर शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकाला जाता है। इस चिकित्सा को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए इस उपकरण का पेटेंट प्रदान किया गया है।

सरकार ने दिया पेटेंट

भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग के आयुर्वेद बोर्ड अध्यक्ष डॉ. बी श्रीनिवास प्रसाद और उनकी टीम को पेटेंट प्रदान किया गया है।भारत सरकार द्वारा उन्नत स्वचालित प्रणाली या उपकरण के विकास के लिए यह पेटेंट प्रदान किया गया है। आयुष विभाग के मुताबिक आयुर्वेद में पंचकर्म प्रमुख उपचार पद्धति है। पंचकर्म को रोकथाम, प्रबंधन, इलाज के साथ-साथ कायाकल्प के उद्देश्य से पहचाना जाता है।

पंचकर्म की हैं 5 प्रक्रियाएं

पंचकर्म की वमन, विरेचन (चिकित्सीय शुद्धिकरण), बस्ती (चिकित्सीय एनीमा), नस्य (नाक मार्ग के माध्यम से चिकित्सा और रक्तमोक्षण (रक्त रोग चिकित्सा) पांच प्रक्रियाएं हैं। वमन यानी एक चिकित्सीय प्रक्रिया जो उल्टी के जरिए अशुद्धियों या दोषों को बाहर निकालती है। रोगी और पंचकर्म विशेषज्ञ सलाहकार दोनों के लिए प्रक्रिया कठिन है। इसके अलावा उल्टी को हाइजीनिक तरीके से हैंडल करना एक बड़ी चुनौती है।

जानिए क्या काम करता है उपकरण

अब वर्तमान पेटेंट उपकरण उन्नत स्वचालित उपकरण या चिकित्सीय प्रणाली को कठिन वमन प्रक्रिया को आराम से संचालित करने के लिए विकसित किया गया है। यह तकनीक प्रक्रिया के दौरान रोगियों के महत्वपूर्ण डाटा की निगरानी के लिए मॉनिटर से लैस है। उल्टी को स्वच्छ तरीके से और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नीति के अनुसार संभालने का प्रावधान है। यह आपातकालीन किट भी प्रदान करता है, जो प्रक्रिया की जटिलताओं का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक है। प्रक्रिया का आकलन करने के लिए आवश्यक क्लिनिकल पैरामीटर भी स्वचालित हैं। कुल मिलाकर यह तकनीक वमन प्रक्रिया को आराम से संचालित करने का संपूर्ण समाधान है। इस उत्पाद को केएलई आयुरवर्ल्ड के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आयुर्टेक इनक्यूबेशन सेंटर और कर्नाटक के बेलगावी में केएलई इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा विकसित किया गया है।

चीनी कंपनी को रेलवे का टेंडर: चीनी कंपनी बनाएगी इंडियन रेलवे के लिए 30,000 एक्सल, एक्सपर्ट बोले- फैसले से थोड़ी हैरानी

नई दिल्ली , एजेंसी। चीनी सरकार से सीधा संबंध रखने वाली हॉन्गकॉन्ग की कंपनी टीजेड (तैजहॉन्ग) को इंडियन रेलवे ने एक्सल की सप्लाई के लिए टेंडर दिया है। ये टेंडर 245 करोड़ रुपए का है। ये कंपनी रेलवे को माल ढुलाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैगनों के लिए 30,000 एक्सल की आपूर्ति करेगी। रेलवे ने पहले पहियों की आपूर्ति के लिए को टेंडर दिया था।

विदेशी कंपनी टीजेड को एक्सल के ऑर्डर से थोड़ी हैरानी: इस सेक्टर पर नजर रखने वाले एक एक्सपर्ट ने कहा, भारत के पास पहिए बनाने की पर्याप्त क्षमता नहीं है, लेकिन एक्सल मैन्युफैक्चरिंग एक ऐसी चीज है, जिसे लेकर भारत काफी कंफर्टेबल है। ऐसे में किसी चीनी कंपनी को इसका ऑर्डर देना थोड़ा हैरान करता है। ऐसा हो सकता है कि रेलवे ने इस साल अधिक मांग की प्रत्याशा में भारत के बाहर से एक्सल मंगवाने का फैसला किया, जिसे घरेलू सप्लायर पूरा करने में सक्षम न हो।

चीन में फैक्ट्री होगी एक्सल की मैन्युफैक्चरिंग: एक्सल की मैन्युफैक्चरिंग ताइयुआन हेवी इंडस्ट्री रेलवे ट्रांजिट इक्विपमेंट कंपनी लिमिटेड में की जाएगी, जो चीन के ताइयुआन सिटी, शांक्सी की डियानजी स्ट्रीट में है। टीजेड हॉन्गकॉन्ग इंटरनेशनल लिमिटेड ताइयुआन हेवी मशीनरी ग्रुप की इंटरनेशनल ट्रेडिंग आर्म है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, यह एक राज्य के स्वामित्व वाली एंटरप्राइज है और इसका चीनी सरकार से सीधा संबंध है।

2020 से भारतीय कंपनियों को मिल रहे ऑर्डर: अक्टूबर 2020 से, मेटल एंड स्टील फैक्ट्री (ईशापुर), मिश्र धातु निगम लिमिटेड (हैदराबाद), सौरभ मेटल्स प्रा. लिमिटेड (भोपाल) और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया जैसी घरेलू कंपनियों को एक्सल की आपूर्ति के लिए टेंडर दिए गए हैं। चीन की ष्टत्रक्रष्ट यांग्त्ज़ी टोंगलिंग कंपनी लिमिटेड आखिरी विदेशी कंपनी थी जिसे भारतीय रेलवे को 6,000 एक्सल की आपूर्ति के लिए ऑर्डर दिया गया था। मई 2020 में ये ऑर्डर दिया गया था।

रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर! फिर से मिल सकती है किराए में छूट, मंत्रालय कर रहा विचार

विभिन्न श्रेणी के यात्रियों के लिए रेल किराए में छूट हो सकती है बहाल, रेलवे छूट को लेकर अपने फैसले पर दोबारा कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्रालय रेल किराए में कुछ रियायतों को फिर से बहाल कर सकता है। मंत्रालय वरिष्ठ नागरिकों और खिलाड़ियों सहित विभिन्न श्रेणी के यात्रियों के लिए रेल किराए में कुछ रियायतों को बहाल करने पर विचार कर रहा है। ये रियायतें कोविड-19 महामारी के दौरान बंद कर दी गई थीं। सूत्रों ने कहा कि रेलवे इस फैसले पर दोबारा विचार कर रही है, क्योंकि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर के भी सामाजिक दायित्व हैं। इससे पहले रेल मंत्रालय ने संसद में एक लिखित जवाब में कहा था कि रियायतों के चलते उस पर भारी बोझ पड़ता है। इस कारण उसका इन रियायतों को वापस बहाल करने का कोई इरादा नहीं है। रेलवे के इस फैसले की काफी आलोचना हुई है।

किराए में कुछ रियायतों को फिर से शुरू करने पर विचार

अब रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम इस पर विचार कर रहे हैं कि क्या किराए में कुछ रियायतें फिर से शुरू की जा सकती हैं। रेल यात्रा के संबंध में अब पूरी तरह से सामान्य स्थिति आ गई है। रियायतों को फिर से शुरू नहीं करने के सरकार के अब तक के रुख की काफी आलोचना हुई है। यहां तक कि भाजपा सांसद वरुण गांधी ने भी वरिष्ठ नागरिकों को टिकटों पर दी जाने वाली रियायत खत्म करने के फैसले पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा कि जब सांसदों को रेल किराए पर सब्सिडी मिल रही है, तो इस राहत को बोझ के रूप में क्यों देखा जाता है।

हाल ही में रेल मंत्रालय ने संसद को एक लिखित जवाब में कहा था कि रियायतों के चलते उस पर भारी बोझ पड़ता है। मंत्रालय ने कहा था कि उसकी रेल किराए में छूट को बहाल करने की कोई योजना नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि केवल स्पेशल कैटगरी वाले लोगों को किराए में छूट की सुविधा दोबारा शुरू की गई है। इनमें चार श्रेणी के दिव्यांग, 11 कैटगरी के मरीज और और छात्र शामिल हैं। सीनियर सिटीजंस और खिलाड़ियों के साथ-साथ बाकी कैटगरी के यात्रियों के लिए यह सुविधा बहाल नहीं की गई है।

कोरोना से पहले मिलती थीं किराए में रियायतें

कोरोना काल से पहले सीनियर सिटीजंस को रेल टिकट पर 50 फीसदी तक छूट मिलती थी। लेकिन कोरोना काल में इस सुविधा को बंद कर दिया गया। कोरोना का प्रकोप कम होने के बाद जब रेल सेवा को फिर से शुरू किया गया तो बुजुर्गों को मिलने वाली छूट को बहाल नहीं किया गया।

घाटे में होने के बाद भी इस सरकारी कंपनी को नहीं बेचेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। घाटे में होने के बाद भी सरकारी स्वामित्व वाले महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड का प्राइवेटाइजेशन नहीं किया जाएगा। दरअसल, सरकार ने शुक्रवार को कहा कि एमटीएनएल के निजीकरण की कोई योजना नहीं है। संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि एमटीएनएल को वर्ष 2016-17 से घाटा हो रहा है और वर्ष 2021-22 में इसका घाटा 2,617 करोड़ रुपये था। मंत्री ने कहा, ''एमटीएनएल के निजीकरण की कोई योजना नहीं है।''

सरकार ने दी थी मंजूरी

सरकार ने अक्टूबर 2019 में भारत संचार निगम लिमिटेड और एमटीएनएल के लिए पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी, जिसमें दो सरकारी स्वामित्व वाले दूरसंचार निगमों के विलय के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी गई थी। एमटीएनएल के अधिक कर्ज और बीएसएनएल की प्रतिकूल वित्तीय स्थिति के कारण, सरकार ने दिसंबर 2020 में एमटीएनएल की ऋण स्थिति में सुधार होने तक विलय को टाल दिया।

जानिए क्या है प्लान

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने 14 जून, 2022 को हुई अपनी बैठक में 5-जी सेवाएं प्रदान करने के लिए बीएसएनएल के लिए स्पेक्ट्रम आरक्षित किया था। चौहान ने कहा, ''आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत में बने 4 जी उपकरणों का परीक्षण पहले से ही अग्रिम चरण में है और परीक्षण पूरा होने के बाद उपकरणों की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि इस उपकरण को लगाने और चालू करने के बाद लोगों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, मंत्री ने कहा कि प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं का वित्तवर्ष 2018-19 तक कुल लाइसेंस शुल्क (एलएफ) और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) बकाया लगभग 1,62,654.4 करोड़ रुपये था।

नेस इण्डिया
NAS INDIA
describes you better
National Advertisement Services India

ONE STOP

ADVT SOLUTION

for
☑ Classified ad
☑ Matrimonial
☑ Display ads
☑ Appointment
☑ Product ads
☑ Property ads
☑ Business ads
☑ School/college
☑ Admissions ads
☑ Other ads.

☑ all ADVTs
☑ all newspaper
☑ all cities
☑ at your door

National Advertisement Services India (NAS India)
E-3/114, Ground Floor, Near SBI, 10 No Stop, Arera Colony, Bhopal- 016
Email Id : nasindia786@gmail.com, Phone 0755 4243334, 4223334

उच्चतम स्तर पर पहुंचा बड़ी झील का जलस्तर

भदभदा बॉंध के दो द्वार खोले गए , चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं नवनिर्वाचित महापौर

भोपाल। भोपाल एवं आसपास हुई वर्षा के कारण भोपाल के तालाबों एवं जलाशयों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। भोपाल के ऐतिहासिक बड़े तालाब का जलस्तर भी शनिवार को प्रातः अपने उच्चतम स्तर 1666.80 फीट पहुंचने पर भदभदा बांध का एक गेट 11:49 बजे खोला गया। निरंतर जलस्तर बढने पर दोपहर 12:55 बजे भदभदा बांध का दूसरा गेट खोल दिया गया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग व नवनिर्वाचित महापौर श्रीमती मालती राय ने भदभदा बांध के स्वीच रूम व भदभदा गेटों का अवलोकन किया और निगम अधिकारियों से चर्चा करते हुए बांध पर और अधिक बेहतर ढंग से सुरक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग आदि मौजूद थे।

बड़ी झील का जलस्तर शनिवार को प्रातः 1666.80 फीट पहुंचने पर प्रातः 11:49 बजे गेट नंबर 06 खोला गया उसके उपरांत दोपहर 12:55 बजे गेट नंबर 05 भी खोला गया। बड़ी झील का सबसे निम्न स्तर 1659.15 फीट 04 जुलाई 2022 को था। उसके बाद वर्षा होने पर धीरे-धीरे बड़ी झील का जलस्तर बढना शुरू हुआ और शनिवार को अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा। भदभदा के गेट खोलने से पहले सुरक्षा के दृष्टिगत् सायरन आदि बजाए गए और निचली बस्तियों में सुरक्षा के उपाय किये गए। गेट खोलने के समय जिला प्रशासन, पुलिस के अधिकारी और बल मौजूद था।

उज्ज्वल भारत, उज्ज्वल भविष्य ऊर्जा @2047 समारोह-सीपीआरआई भोपाल एवं एमपीएमकेव्हीव्ही सीएल, जिला प्रशासन, मध्य प्रदेश शासन का संयुक्त आयोजन

आईट िडीसी न्यूज़ मध्य प्रदेश/सिटी डेस्क। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में विद्युत क्षेत्र में हुई उपलब्धियों को साझा करने के लिए उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य, पावर @2047 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है द्य भारत सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य का आयोजन 25 से 30 जुलाई के मध्य जिला प्रशासन के नेतृत्व में किया जाएगा द्य

देश के 773 जिलों में (प्रत्येक जिले के दो स्थानों पर) 1546 स्थानों पर यह महोत्सव मनाया जाएगा द्य इसी श्रंखला में भोपाल जिले के बैरसिया में 26 जुलाई को इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत भोपाल, सीपीआरआई और मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्रविद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के तत्वाधान में किया जा रहा है द्य इस समारोह में जन प्रतिनिधि, अधिकारी, एवं ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे द्य

समारोह के दौरान विधुत क्षेत्र में देश में हुई प्रगति और उपलब्धियों को बैनर पोस्टर, नुक्कड़ नाटक और लघु चलचित्रों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा द्य इनके माध्यम से पिछले आठ वर्षो में बिजली के क्षेत्र में देश एवं प्रदेश में हुई उपलब्धियों को उपस्थित जन सभा के समक्ष साझा किया जाएगाद्य उक्त जानकारी सीपीआर आई भोपाल द्वारा जारी विज्ञप्ति में जन सामान्य के सूचनार्थ दी गई है।

आरटीओ ने 11 स्कूल बसों को थमाए नोटिस, प्रशिक्षण हुआ समाप्त

भोपाल। आरटीओ उड़नदस्ते ने निरंतर स्कूल बसों की जांच कर रही है। आरटीओ उड़नदस्ता आइपीएस की 54 बसों की जांच की। इसमें 11 बसों को खामियां दूर करने के लिए नोटिस थमाए। इन बसों में किसी के साइड ग्लास, खिड़कियों के कांच, फर्स्ट एंड बाक्स में दवाएं व पट्टी नहीं होना, अग्निश्मन यंत्र खाली होना, ड्राइवरों की ओर से खाकी वर्दी नहीं पहना सहित अन्य छोटी-छोटी खामियां मिलीं। वहीं कार्मल क्न्वेंट स्कूल की करीब दो दर्जन बसों की जांच कई गई। इनमें बसें सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करते हुए मिलीं। मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के आदेश पर आरटीओ ने नर्मदापुरम रोड पर भी ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर हबीबगंज अंडर ब्रिज पर स्कूल बसों की जांच की। इधर स्कूल बसों की जांच का बस व वेन एसोसिएशन ने विरोध किया है। मप्र स्कूल वेन चालक समिति के अध्यक्ष शिव कुमार ने कहा कि बसों की जांच करके तत्काल नहीं छोड़ा जाता है। जब्त कर लिया जाता है। इससे बच्चे परेशान हो रहे हैं। स्कूल व वेन मालिक-चालक सुप्रीम कोर्ट की तय गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं। आरटीओ संजय तिवारी ने बताया कि स्कूल बस व वेनों का निरंतर जांच अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश भर में 27 जुलाई से परिवहन विभाग वाहन पोर्टल को शुरू करने जा रहा है। इसके संचालन में कोई दिक्कत न हो।

इसके लिए दूसरे दिन प्रशासन अकादमी में राष्ट्रीय सूचना केंद्र(एनआइसी)के अधिकारियों ने परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों भी मौजूद हैं, जिन्होंने पोर्टल की बारीकियों के बारे में बताया। प्रदेश के वाहन दूसरे राज्यों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट कैसे लगवा सकते हैं, पपीयूसी कराने, एक से दूसरे में वाहनों का पंजीयन, भारत सीरीज का पंजीयन कैसे देने सहित अन्य बारीकियां बताई गईं।

विमान भी लैंड हो सकेगा, टीम ने किया निरीक्षण।

भोपाल (नप्र)। एयरपोर्ट अथारिटी ने इसी साल मार्च में टर्नपैड चौड़ा करने की स्वीकृति दी थी। पिछले चार माह से काम चल रहा था। अब काम पूरा हो गया है। इस काम पर अथारिटी ने करीब सात करोड़ रूपये खर्च किए हैं। काम छह माह में पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन समय से पहले ही इसे पूरा कर लिया गया है। अब प्रधानमंत्री के विमान के अलावा भविष्य में भोपाल से संभावित इंटरनेशनल उड़ानों की राह भी आसान हो गई है। इंटरनेशनल रूट पर आमतौर पर बड़े बोइंग एवं जंबो विमान का संचालन होता है। बड़े विमानों को टेकआफ करते समय अधिक चौड़े रन-वे की जरूरत होती है। तकनीकी भाषा में इसे टर्नपैड कहा जाता है, यानी विमान मोड़ते समय रन-वे की चौड़ाई वाला हिस्सा ही टर्नपैड कहलाता है। एयरपोर्ट अथारिटी ने वर्तमान रन-वे के टेक आफ प्वाइंट के आसपास के हिस्से पर नया टर्नपैड विकसित किया है।

ग्लाइड पथ की दिशा बदलनी पड़ी

टर्नपैड चौड़ा करने के साथ ही इंस्ट्रूमेंटलेंडिंग सिस्टम (आइएलएस) को शिफ्ट कर दिया गया है। आइएलएस के साथ ही ग्लाइड पाथ की दिशा भी बदल दी गई है, इससे कम दृश्यता होने एवं खराब मौसम में भी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग में मदद मिलती है। टर्नपैड का काम देखने एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया की एक टीम विशेष विमान से भोपाल पहुंची थी। टीम ने विशेष विमान को टर्नपैड से टेकआफ किया, ताकि यह पता चल सके कि कहीं कोई कमी तो नहीं है। टीम ने आइएलएस की दिशा की जांच भी की। टर्नपैड का काम शुरू होते समय एयरपोर्ट अथारिटी ने डीजीसीए से अनुमति लेकर नो-टम लागू किया था। नो-टम यानि एक तय समय में कोई भी विमान लैंड नहीं हो सका। भोपाल में इसके लिए रात्रि 10.30 बजे से सुबह छह बजे तक की अवधि लागू की गई थी। अब नो-टम वापस ले लिया गया है।

Date	Day	Guzetted Holiday
26-Jan	Wednesday	Republic Day
01-Mar	Tuesday	Maha Shivaratri/Shivaratri
18-Mar	Friday	Holi
14-Apr	Thursday	Mahavir Jayanti
15-Apr	Friday	Good Friday
03-May	Tuesday	Ramzan Id/Eid-ul-Fitar
16-May	Monday	Buddha Purnima/Vesak
10-Jul	Sunday	Bakr Id/Eid ul-Adha
08-Aug	Monday	Muharram/Ashura
15-Aug	Monday	Independence Day
19-Aug	Friday	Janmashtami
02-Oct	Sunday	Mahatma Gandhi Jayanti
05-Oct	Wednesday	Dussehra
09-Oct	Sunday	Milad un-Nabi/Id-e-Milad
24-Oct	Monday	Diwali/Deepavali
08-Nov	Tuesday	Guru Nanak Jayanti
25-Dec	Sunday	Christmas